RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:264 ता. 11 अप्रेल 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

जम्मू-कश्मीर में धूमधाम ने मनाया जा रहा ईद का त्यौहार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में बुधवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर हजारों मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं आई है। श्रीनगर की हजरतबल दरगाह और अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज के लिए नमाजियों की बड़ी भीड़ देखी गई। ईद-उल-फितर रमजान महीने की समाप्ति के बाद मनाई जाती है। इस तरह की ईद की नमाज में कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा, बडगाम, पुलवामा, कुलगाम, अनंतनाग, शोपियां और गांदरबल सहित घाटी के अन्य जिलों में भी नमाजियों की भीड़ देखी गई। त्यौहार के मौके पर नए कपड़े पहने बच्चे अपने पिता के साथ ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह और मस्जिदों में जाते दिखाई दिए। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने शांतिपूर्ण ईद की नमाज सुनिश्चित करने के लिए पूरी घाटी में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए थे। जम्मू डिवीजन में भी, विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। रिपोर्टों के अनुसार, नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जम्मू शहर और जम्मू डिवीजन के अन्य जिलों में कई स्थानों पर, हिंदू पड़ोसी अपने मुस्लिम दोस्तों को ईद समारोह के दौरान बधाई देने आए।

सीएम केजरीवाल के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल...इस्तीफें की मांग की

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस कड़ी में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। इसके पहले उच्च न्यायालय ने सीएम केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आप नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हाईकोर्ट द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने पर कहा, हम सुप्रीम कोर्ट गए हैं। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से न्याय जरूर मिलेगा। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से राह दिखाई, ठीक उसी तरह से केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट कोई नई राह दिखाएगा। इससे पहले हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद भारद्वाज ने कहा कि सिंह की जमानत याचिका भी हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उनकी याचिका खारिज करने के दौरान हाई कोर्ट ने वे ही बाते बोली थी जो मंगलवार को केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कही है। मगर जब संजय सिंह हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए तब उनकी जमानत हो गई। उधर, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, महंगे-महंगे वकीलों पर करोड़ों रुपये खर्च करके केजरीवाल माहौल बना सकते हैं लेकिन सच्चाई नहीं बदल सकते। सच्चाई ये है कि केजरीवाल ने शराब घोटाले में चोरी की है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट को लेकर की बड़ी टिप्पणी....निजी मामला नहीं

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) को विशेष कानून बताकर इससे जुड़े अपराधों को निजी मामला मानने से इंकार किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस प्रकार के मामलों को समाज को प्रभावित करने वाला मानकर स्पष्ट आदेश जारी किया है कि विशेष कानून जैसे पॉक्सो एक्ट के अपराध को समझौते के आधार पर रद्द नहीं कर सकते हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छोटे बच्चों के साथ यौन अपराध करने वाले अपराधियों की ओर से रसूख और धनबल का इस्तेमाल कर पीड़ितों को समझौते के लिए मजबूर करने के मामले भी सामने आते रहे हैं। इसके बाद इस प्रकार के विशेष मामलों में समझौते के आधार पर केस को रद्द करने से इंकार का बड़ा असर पड़ना तय है। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई कर कहा है कि विशेष कानून की आपराधिक कार्यवाही को पक्षों के बीच समझौते के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के अपराध में नाबालिग की सहमति मान्य नहीं है। बाद में पीड़िता द्वारा किया गया समझौता आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर कहा कि हत्या, दुष्कर्म, डकैती आदि गंभीर अपराधों को समझौते के आधार पर खत्म नहीं किया जा सकता। यह प्राइवेट अपराध नहीं है। इसके साथ कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित के खिलाफ आजमगढ़ की पाक्सो की विशेष अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को समझौते के आधार पर रद्द करने से इंकार कर याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने संजीव कुमार की याचिका पर दिया है। याचिका में दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते के आधार पर केस कार्यवाही रदद करने की मांग की गई थी।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तंज.....

शक्ति का अपमान करते हैं कांग्रेस के नेता

डीएमके की राजनीति बंटबारा और शासन पर आधारित

चेन्नई । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के लिए प्रचार करने के दौरान तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई पहुंचे पीएम मोदी ने विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगी तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर कच्चातिवू और 'शक्ति' वाले टिप्पणियों पर तीखा हमला किया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज शक्ति का अपमान करते हैं, इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने शक्ति के विनाश की बात कही है। पीएम मोदी ने वेल्लोर में जनसभा को संबोधित कर कहा, मेरे मन में वेल्लोर के लिए हमेशा से श्रद्धा रही है। तमिलनाडु शक्ति की उपासना करने वालों की धरती है। इंडी अलांयस वाले शक्ति का अपमान करते हैं, कांग्रेस के युवराज ने शक्ति के विनाश की बात कही। ये लोग राम मंदिर का बहिष्कार करते हैं। उन्होंने कहा कि डीएमके और इंडी गठबंधन वाले महिलाओं का अपमान करते हैंज्ज्आप का हमें दिया आशीर्वाद सनातन की रक्षा करेगा और महिलाओं का सम्मान बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने कहा, डीएमके ने तमिलनाडु और देश के भविष्य बच्चों तक को नहीं छोड़ा। तमिलनाडु में स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स का शिकार हो चुके हैं। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, उसका डीएमके परिवार से रिश्ता है। डीएमके पार्टी की राजनीति बंटबारा और शासन करो पर आधारित है। ये लोगों को आपस में लड़ाते हैं। मैंने तय कर लिया है कि डीएमके की इस खतरनाक राजनीति को एक्पोज करके रहूंगा। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगम हो, सौराष्ट्र तमिल संगम हो, मेरी कोशिश है तमिल की संस्कृति को लोग जाने। काशी का सांसद हूं। आपको वहां आने का निमंत्रण देता हूं। दूसरा मैं गुजरात से हूं, यहां भी कई गुजराती रहते हैं। एक गुजराती होने के नाते आपको

गुजरात आने का भी निमंत्रण देता हूं। यूएन में भी मैं तमिल में बोलने की कोशिश करता हूं, जिससे लोग जाने कि तमिल दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा है। डीएमके की सच्चाई ये है कि उन्होंने सेंगोल की संसद में स्थापना होने का विरोध किया था।

भारतीय इतिहास को खत्म करने की जानबूझकर कोशिश की गई: डोभाल

-भारतीय सभ्यता विशाल विस्तार वाली सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक

नई दिल्ली। **(एजेंसी)**

भारतीय सभ्यता विशाल विस्तार वाली सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक है। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 11 खंडों वाली किताब प्राचीन भारत का इतिहास के विमोचन के अवसर पर कही डोभाल ने कहा कि भारतीय सभ्यता की एक विशेषता कि यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और संभवतः मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत उच्च स्तर तक परिपूर्ण कर लिया था। यह किसने किया? क्या वे मूल निवासी थे या बाहर से आए थे, वे इसके बारे में पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है। डोभाल ने कहा कि दूसरी है निरंतरता यानी, अगर यह 4,000 या 5,000 साल पहले शुरू हुआ, तो यह आज तक निरंतर है। इसमें कोई व्यवधान नहीं है। इसलिए यह एक निरंतरता थी। उन्होंने कहा, तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार है। यह कोई छोटा-सा गांव नहीं था जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलता है। यह ऑक्सस नदी से लेकर शायद दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य स्थानों पर है, जहां सभ्यता के पदचिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे। इसे विरोधाभास बताते हुए डोभाल ने आगे कहा कि इतने विशाल क्षेत्र में 6,000 या 8,000 वर्षों के निरंतर इतिहास के विस्तार के बावजूद जो कथा लाई गई है, वह यह है कि पश्चिमी देश में भारतीय इतिहास के बारे में पहला अध्याय सिकंदर से शुरू होता है, भले ही वह झेलम तक ही भारत की सीमा में आया था और फिर आगे नहीं बढ़ पाया। डोभाल ने यह कहा कि भारतीय इतिहास को खत्म करने की जानबूझकर कोशिश की गई थी, जिसमें नालंदा या तक्षशिला जैसे संस्थानों को नष्ट करना भी शामिल था, जिसके जरिए भारतीय अपने अतीत से जुड़ सकते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास केवल हत्याओं और विजय के बारे में नहीं, बल्कि बौद्धिक उपलब्धियों के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास बौद्धिक उपलब्धियों के बारे में भी है, चाहे वह विज्ञान, साहित्य या अन्य विषयों में हो।

नवरात्रि के पहले दिन जैसलमेर में दो दर्जन से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार

जैसलमेर । **(एजेंसी)**

नवरात्रि के पहले दिन सरहदी जिले जैसलमेर जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर भारत-पाक सीमा पर एक साथ दो दर्जन से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हुए हैं। यहां जैसलमेर के म्याजलार क्षेत्र में नवरात्रि के उपवास के चलते 777 ब्रांड का भगर खाने से एक ही परिवार के 10 लोगों की तबियत बिगड़ गई। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें म्याजलार अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका चिकित्सक उपचार कर रहे है। वहीं भगर खाने पर बीमार पड़ने वालों का आंकड़ा धीरे-धीरे 25 के पार जा पहुंचा। इस म्याजलार क्षेत्र के 25 से ज्यादा लोगों की 777 नामक ब्रांड का भगर खाने से तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है। वहीं सूचना पर सीएमएचओ राजेंद्र पालीवाल की ओर से एफएसओ टीम मोके पर रवाना की गई है। भगर के सैंपल लेने के बाद उन्हें जांच के लिये भेजा जाएगा। जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि आखिर इस ब्रांड के भगर से ही तबीयत बिगड़ी या इसकी वजह एक्सपायर डेट थी या कोई अन्य कारण था। फूड पॉइजनिग के मामले में पीड़ित लोगों में सामान्य उल्टी, दस्त और चक्कर की ही बात सामने आई है। सभी की हालत खतरे से बाहर है। वहीं सैंपलिंग के लिए टीम भेजी भेज दी गई है। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा।

फिर मिली धीरेंद्र शास्त्री को धमकी, हिंदूवादी संगठनों में आक्रोश

बरेली।

जाने माने कथा वाचक और पर्ची निकालर लोगों की पोल खोलने वाले बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। फेसबुक के जरिए दी गई धमकी में सिर तन से जुदा करने की बात कही गई है। जिसके बाद बरेली के आंवला कोतवाली में हिंदूवादी संगठनों ने एक शिकायती पत्र सौंपा जिसमें हिंदू सनातन धर्म के गुरु पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की फोटो लगा और एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसमें सिर तन से जुदा का ऑडियो भी लगाया गया है। इस वीडियो से हिंदूवादी संगठनों में काफी आक्रोश है। कोलवाली पुलिस का कहना है कि शिकायत आई है जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिसका नाम सलमान बताया जा रहा है। राष्ट्रीय बजरंग दल के आंवला जिला अध्यक्ष बताया कि फैज राजा ने फेसबुक पर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का फोटो लगाकर उनका सिर तन से जुदा करने और अशब्द लिखते हुए स्टेट्स लगाया है। इससे माहौल खराब हो सकता है। इसके अलावा पोस्ट पर इज्जतनगर निवासी सलमान ने भी अभद्र टिप्पणी की। जिसके बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी शिकायत की गई।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीजन 15 अप्रैल से होंगे शुरु

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। लोकसभा चुनावों के बाद 29 जून से यात्रा शुरू होगी। यह 52 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू होने के बाद 19 अगस्त रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। जानकारी के अनुसार यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। वहीं किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा उचित प्रबंध किए जाएंगे। यात्रा रुकने की स्थिति में रामबन, जम्मू और श्रीनगर में प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रबंध किए जाएंगे। यात्रा की आरती का सीधा प्रसारण जुलाई महीने से शुरू होगा। इस बार यात्रा पिछले वर्ष के मुकाबले 10 दिन पहले समाप्त हो जाएगी।

श्रीराम मंदिर में भक्त अब सोने की अनोखी रामायण के दर्शन भी कर सकेंगे

अयोध्या । अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर में भक्त अब सोने की अनोखी रामायण के दर्शन कर सकेंगे। गर्भ गृह में इस रामायण को विधि विधान पूर्वक स्थापित कर दिया गया है। ये खास रामायण मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस सुब्रमण्यम लक्ष्मीनारायणन और उनकी पत्नी सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट की है। मंगलवार को नवरात्र के प्रथम दिन इस रामायण की स्थापना के दौरान लक्ष्मी नारायण अपनी पत्नी के साथ मौजूद रहे। राम मंदिर में इसका निर्माण चेन्नई के प्रसिद्ध वुमिडी बंगारू ज्वेलर्स ने किया है। रामायण को गर्भगृह में रामलला की मूर्ति से 15 फीट की दूरी पर एक पत्थर के आसन पर रखा गया है। इसके शीर्ष पर चांदी से बना राम का पट्टाभिषेक है। इस दौरान राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव, पुजारी प्रेमचंद त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस विशेष प्रतिकृति का प्रत्येक पृष्ठ तांबे से बना 14 गुणे 12 इंच आकार का है। जिस पर राम चरित मानस के श्लोक अंकित हैं। 10,902 छंदों वाले इस महाकाव्य के प्रत्येक पृष्ठ पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ी है। गोल्डन प्रतिकृति में लगभग 480-500 पृष्ठ हैं और यह 151 किलोग्राम तांबे और 3-4 किलोग्राम सोने से बनी है। प्रत्येक पृष्ठ 3 किलोग्राम तांबे का है। धातु से बनी इस रामायण का वजन 1.5 क्विंटल से अधिक है।

अमित शाह का 14 को बीकानेर दौरा

जयपुर । बीजेपी के केंद्रीय नेता राजस्थान में लगातार चुनावी दौरा कर रहे हैं। पिछले दिनों अमित शाह दो दिन के प्रदेश दौरे पर आए थे। अब वे एक बार फिर 14 अप्रैल को राजस्थान दौरे पर आ रहे हैं। 14 को वे बीकानेर में केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी अर्जुन राम मेघवाल के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। वहीं कल गुरुवार 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी फिर राजस्थान दौरे पर आने वाले हैं। दोपहर डेढ़ बजे पीएम मोदी की करौली धौलपुर में भाजपा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव के समर्थन में विजय शंखनाद रैली को संबोधित करेंगे। वे दोपहर साढ़े 12 बजे वायु सेना के विशेष विमान से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और फिर जयपुर से करौली के लिए रवाना होंगे।

राम मिलेंगे मर्यादा से जीने में, राम मिलेंगे हनुमान जी के सीने में

- सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद के बदले सुर

सहारनपुर। (एजेंसी)

सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद भी अब रामधुन गाते नजर आ रहे हैं। इस बार कांग्रेस-समाजवादी पार्टी सहारनपुर लोकसभा सीट से जीतने का एक और प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मसूद ने का कहना है कि यह चुनाव रोज़ी-रोटी के बारे में है। इस चुनाव में मसूद का मुकाबला अपने धुर विरोधी और भाजपा के पूर्व सांसद राघव लखनपाल से है, राघव ने भारी जीत का दावा किया है।

इंडिया गठबंधन के सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद के राग बदलते हुए नजर आ रहे हैं. एक टीवी चैनल से बात करते हुए मसूद ने कहा कि राम मिलेंगे मर्यादा से जीने में, राम मिलेंगे हनुमान जी के सीने में। ये देश राम का है। इमरान मसूद 2014 में तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बोटी-बोटी टिप्पणी का इस्तेमाल किया था, लेकिन अब मसूद राम के गुनगान गा रहे हैं।

सहारनपुर में लगभग 19 लाख मतदाता हैं उससे लगभग 6.8 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। भाजपा उम्मीदवार लखनपाल ने देवबंद में प्रचार के दौरान कहा था कि सहारनपुर में कुल मतदाता 19 लाख हैं। यदि 6.8 लाख घटा दिए जाएं तो हमारे पास 13 लाख वोटर हैं। तो कठिनाई क्या है?' वहीं देवबंद से बीजेपी विधायक और यूपी के मंत्री ब्रिजेश सिंह ने कहा था कि यह चुनाव 13 लाख बनाम 6.8 लाख हैज्और 13 लाख जीतेंगे। पाठक का साफ इशारा था कि बीजेपी ही सहारनपुर सीट जीतेगी। 2014 में बीजेपी के लखनपाल ने यहां जीत हासिल की थी, लेकिन 2019 में एसपी और आरएलडी के समर्थन से बीएसपी उम्मीदवार ने यह सीट जीत ली। इसका कारण यहां 7 लाख मुस्लिम मतदाताओं और 3.8 लाख दलित मतदाताओं के साथ-साथ कुछ जाटों का विपक्षी गठबंधन के लिए एकजुट होना था। मसूद तब लखनपाल के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। अब, बसपा अकेली है और

उसके पास माजिद अली के रूप में एक नया उम्मीदवार है.

सहारनपुर शहर के कई स्थानीय लोग लखनपाल का समर्थन कर रहे हैं। लखनपाल का कहना है कि कुछ मुस्लिम भी उन्हें वोट दे सकते हैं क्योंकि विकास का फल उन तक भी पहुंचा है।

बंगाल में एनआईए टीम पर हमले मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों पर हमले के चार दिन बाद भी पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। विपक्षी दलों ने बंगाल पुलिस पर गिरफ्तारी के मामले में संदेशखाली वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले का मास्टरमाइंड शेख शाहजहां 55 दिनों तक फरार रहने में कामयाब रहा था। एनआईए ने एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार करने में विफल रही है। इसके बाद पुलिस पर सवाल खड़ हो रहे हैं। वहीं पुलिस एनआईए के अधिकारियों के खिलाफ दायर जवाबी एफआईआर पर काफी सक्रिय है। 6 अक्टूबर की सुबह एनआईए ने दो तृणमूल कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया। इनमें से एक मोनोब्रत जाना के परिवार के सदस्यों ने एनआईए के खिलाफ जवाबी एफआईआर दर्ज कराई। यह हमला तब हुआ जब एनआईए के अधिकारी जाना और उसके सहयोगी बलाई चरण मैती को गिरफ्तार करने के बाद भूपतिनगर से लौट रहे थे। राज्य पुलिस ने अपने लोगों पर हमले के संबंध में जांच में शामिल होने के लिए एनआईए के दो अधिकारियों को पहले ही नोटिस भेज दिया है। दोनों को 11 अप्रैल को भूपतिनगर थाने में उपस्थित होने को कहा गया है। दोनों अधिकारियों में से एक एनआईए अधिकारियों पर हमले के मामले में शिकायतकर्ता है और दूसरा वह है जिसे मामूली चोटें आई हैं।

पिछले 10 सालों में देश में पेट्रोल की खपत दोगुनी से भी अधिक हुई

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल की खपत तेजी से बढ़ रही है। जैसे-जैसे वाहनों की संख्या बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे पेट्रोल की खपत भी बढ़ रही है। हाल ही में आई रिपोर्ट के हिसाब से पेट्रोल की खपत बीते 10 सालों में दोगुनी से भी अधिक हुई है। वहीं डीजल की खपत लगभग एक तिहाई बढ़ी है, जबकि तेल की कुल मांग आधी हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) और रिन्यूएबल एनर्जी के लिए नीतिगत दबाव के बावजूद जीवाश्म ईंधन की मांग बनी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2013-14 और 2023-24 के बीच पेट्रोल की वार्षिक खपत 117 प्रतिशत, डीजल की 31 प्रतिशत, विमानन टरबाइन ईंधन की 50 प्रतिशत और एलपीजी की 82 प्रतिशत बढ़ी है। इस अवधि के दौरान मिट्टी के तेल की खपत में 93 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक दशक में पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की प्राथमिकता भी बढ़ी है, क्योंकि डीरेग्यूलेशन के बाद से डीजल वाहनों को पहले जैसी वरीयता नहीं मिल रही है। डीजल वाहनों की घटती लोकप्रियता के पीछे एक कारण यह भी है कि पेट्रोल वाहनों को कम रखरखाव की आवश्यकता होती है, और अब ये ईवी हाइब्रिड वेरिएंट में उपलब्ध हैं। पेट्रोल की मांग आगे चलकर काफी कम हो सकती है, क्योंकि सीएनजी, सीबीजी, इथेनॉल और ईवी जैसे पेट्रोल के विकल्प मिश्रण में भूमिका निभाना शुरू कर रहे हैं, खासकर दोपहिया और तिपहिया व्हीकल सेगमेंट में जबकि डीजल के विकल्प उस तरह से बाजार में मौजूद नहीं है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट को लेकर की बड़ी टिप्पणी....निजी मामला नहीं

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) को विशेष कानून बताकर इससे जुड़े अपराधों को निजी मामला मानने से इंकार किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस प्रकार के मामलों को समाज को प्रभावित करने वाला मानकर स्पष्ट आदेश जारी किया है कि विशेष कानून जैसे पॉक्सो एक्ट के अपराध को समझौते के आधार पर रद्द नहीं कर सकते हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छोटे बच्चों के साथ यौन अपराध करने वाले अपराधियों की ओर से रसूख और धनबल का इस्तेमाल कर पीड़ितों को समझौते के लिए मजबूर करने के मामले भी सामने आते रहे हैं। इसके बाद इस प्रकार के विशेष मामलों में समझौते के आधार पर केस को रद्द करने से इंकार का बड़ा असर पड़ना तय है। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई कर कहा है कि विशेष कानून की आपराधिक कार्यवाही को पक्षों के बीच समझौते के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के अपराध में नाबालिग की सहमति मान्य नहीं है। बाद में पीड़िता द्वारा किया गया समझौता आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर कहा कि हत्या, दुष्कर्म, डकैती आदि गंभीर अपराधों को समझौते के आधार पर खत्म नहीं किया जा सकता। यह प्राइवेट अपराध नहीं है। इसके साथ कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित के खिलाफ आजमगढ़ की पाक्सो की विशेष अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को समझौते के आधार पर रद्द करने से इंकार कर याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने संजीव कुमार की याचिका पर दिया है। याचिका में दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते के आधार पर केस कार्यवाही रदद करने की मांग की गई थी।

जम्मू-कश्मीर में धूमधाम ने मनाया जा रहा ईद का त्यौहार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में बुधवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर हजारों मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं आई है। श्रीनगर की हजरतबल दरगाह और अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज के लिए नमाजियों की बड़ी भीड़ देखी गई। ईद-उल-फितर रमजान महीने की समाप्ति के बाद मनाई जाती है। इस तरह की ईद की नमाज में कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा, बडगाम, पुलवामा, कुलगाम, अनंतनाग, शोपियां और गांदरबल सहित घाटी के अन्य जिलों में भी नमाजियों की भीड़ देखी गई। त्यौहार के मौके पर नए कपड़े पहने बच्चे अपने पिता के साथ ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह और मस्जिदों में जाते दिखाई दिए। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने शांतिपूर्ण ईद की नमाज सुनिश्चित करने के लिए पूरी घाटी में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए थे। जम्मू डिवीजन में भी, विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। रिपोर्टों के अनुसार, नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जम्मू शहर और जम्मू डिवीजन के अन्य जिलों में कई स्थानों पर, हिंदू पड़ोसी अपने मुस्लिम दोस्तों को ईद समारोह के दौरान बधाई देने आए।

नवरात्रि के पहले दिन जैसलमेर में दो दर्जन से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार

जैसलमेर । नवरात्रि के पहले दिन सरहदी जिले जैसलमेर जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर भारत-पाक सीमा पर एक साथ दो दर्जन से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हुए हैं। यहां जैसलमेर के म्याजलार क्षेत्र में नवरात्रि के उपवास के चलते 777 ब्रांड का भगर खाने से एक ही परिवार के 10 लोगों की तबियत बिगड़ गई। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें म्याजलार अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका चिकित्सक उपचार कर रहे है। वहीं भगर खाने पर बीमार पड़ने वालों का आंकड़ा धीरे-धीरे 25 के पार जा पहुंचा। इस म्याजलार क्षेत्र के 25 से ज्यादा लोगों की 777 नामक ब्रांड का भगर खाने से तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है। वहीं सूचना पर सीएमएचओ राजेंद्र पालीवाल की ओर से एफएसओ टीम मोके पर रवाना की गई है। भगर के सैंपल लेने के बाद उन्हें जांच के लिये भेजा जाएगा। जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि आखिर इस ब्रांड के भगर से ही तबीयत बिगड़ी या इसकी वजह एक्सपायर डेट थी या कोई अन्य कारण था। फूड पॉइजनिग के मामले में पीड़ित लोगों में सामान्य उल्टी, दस्त और चक्कर की ही बात सामने आई है। सभी की हालत खतरे से बाहर है। वहीं सैंपलिंग के लिए टीम भेजी भेज दी गई है। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा।

श्रीराम मंदिर में भक्त अब सोने की अनोखी रामायण के दर्शन भी कर सकेंगे

अयोध्या । अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर में भक्त अब सोने की अनोखी रामायण के दर्शन कर सकेंगे। गर्भ गृह में इस रामायण को विधि विधान पूर्वक स्थापित कर दिया गया है। ये खास रामायण मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस सुब्रमण्यम लक्ष्मीनारायणन और उनकी पत्नी सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट की है। मंगलवार को नवरात्र के प्रथम दिन इस रामायण की स्थापना के दौरान लक्ष्मी नारायण अपनी पत्नी के साथ मौजूद रहे। राम मंदिर में इसका निर्माण चेन्नई के प्रसिद्ध वुमिडी बंगारू ज्वेलर्स ने किया है। रामायण को गर्भगृह में रामलला की मूर्ति से 15 फीट की दूरी पर एक पत्थर के आसन पर रखा गया है। इसके शीर्ष पर चांदी से बना राम का पट्टाभिषेक है। इस दौरान राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव, पुजारी प्रेमचंद त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मोदी के आने के बाद दुनिया भर में भारत की हैसियत बढ़ी: राजनाथ

सहारनपुर (ईएमएस)। (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा हुआ है। सहारनपुर में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद पूरी दुनिया में भारत का कद बढ़ा हैं। पहले जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत बोलता था तो उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज दुनिया कान खोल कर सुनती हैं कि आखिर भारत बोल क्या रहा हैं। इससे पता चलता हैं कि दुनिया भर में भारत की हैसियत बढ़ी हैं, दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा हुआ है।

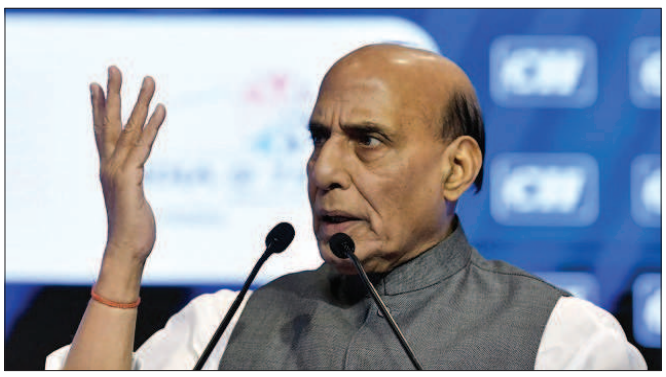

उन्होंने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने की हैसियत से मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम भारत का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे। भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा बल्कि ताकतवर बन गया है। सिंह ने कहा कि कुछ साल पहले लोगों के बीच यह धारणा थी कि नेता वोट लेने के लिए झूठ बोलते हैं और चले जाते हैं। उन्हें जनता या जनता की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में राजनेताओं और राजनीतिक दलों के प्रति यही आम धारणा थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस धारणा को बदला है और दिखाया है कि राजनीति कैसे की जाती है। उन्होंने कहा कि यह हमारा चरित्र है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अक्सर राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद सब भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिये नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए की जानी चाहिए, और भारतीय जनता पार्टी यही काम कर रही है। सिंह ने कहा कि हमने राजनीति में विश्वास के संकट पर काबू पा लिया है। उन्होंने कहा कि हमने अनुच्छेद 370 हटाने का वादा किया था और सत्ता में आने के बाद हमने यह किया। हमने तीन तलाक खत्म करने का वादा किया था और संसद में बहुमत मिलने के बाद हमने इसे हटा दिया। हम जो कहते हैं, वह करते हैं।

भारतीय इतिहास को खत्म करने की जानबूझकर कोशिश की गई: डोभाल

-भारतीय सभ्यता विशाल विस्तार वाली सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सभ्यता विशाल विस्तार वाली सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक है। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 11 खंडों वाली किताब प्राचीन भारत का इतिहास के विमोचन के अवसर पर कही डोभाल ने कहा कि भारतीय सभ्यता की एक विशेषता कि यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और संभवतः मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत उच्च स्तर तक परिपूर्ण कर लिया था। यह किसने किया? क्या वे मूल निवासी थे या बाहर से आए थे, वे इसके बारे में पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है।

डोभाल ने कहा कि दूसरी है निरंतरता यानी, अगर यह 4,000 या 5,000 साल पहले शुरू हुआ, तो यह आज तक निरंतर है। इसमें कोई व्यवधान नहीं है। इसलिए यह एक निरंतरता थी। उन्होंने कहा, तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार है। यह कोई छोटा-सा गांव नहीं था जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलता है। यह ऑक्सस नदी से लेकर शायद दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य स्थानों पर है, जहां सभ्यता के पदचिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे।

इसे विरोधाभास बताते हुए डोभाल ने आगे कहा कि इतने विशाल क्षेत्र में 6,000 या 8,000 वर्षों के निरंतर इतिहास के विस्तार के बावजूद जो कथा लाई गई है, वह यह है कि पश्चिमी देश में भारतीय इतिहास के बारे में पहला अध्याय सिकंदर से शुरू होता है, भले ही वह झेलम तक ही भारत की सीमा में आया था और फिर आगे नहीं बढ़ पाया।

डोभाल ने यह कहा कि भारतीय इतिहास को खत्म करने की जानबूझकर कोशिश की गई थी, जिसमें नालंदा या तक्षशिला जैसे संस्थानों को नष्ट करना भी शामिल था, जिसके जरिए भारतीय अपने अतीत से जुड़ सकते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास केवल हत्याओं और विजय के बारे में नहीं, बल्कि बौद्धिक उपलब्धियों के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास बौद्धिक उपलब्धियों के बारे में भी है, चाहे वह विज्ञान, साहित्य या अन्य विषयों में हो।

भाजपा नेता का उद्धव गुट पर तंज.....जो उद्धव अपने पिता का नहीं हुआ उसके बारे में क्या कहें

मुंबई । शिवसेना (उद्धव गुट) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय पर विवाद हो गया है। इसमें की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर भाजपा ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता राम कदम ने अब शिवसेना और उद्धव ठाकरे पर तीखा पलटवार किया है। राम कदम ने सामना में प्रकाशित संपादकीय पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि जो उद्धव ठाकरे अपने पिता का नहीं हुआ, उसके बारे में व ?या कह सकते है। बता दें कि चुनावी माहौल में जुबानी हमले तेज हो गए हैं। राजनीतिक दल के नेता लगातार एक दूसरे पर हमले बोल रहे हैं। इसी कड़ी में शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। उद्धव गुट के मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इस पर भाजपा नेता कदम ने पलटवार किया है। कदम ने कहा, 'जो उद्धव ठाकरे अपने पिता का नहीं हुआ..उसके बारे में क्या बोलें। पीएम मोदी के खिलाफ ये जो अपशब्द बोल रहे हैं, उसका जवाब महाराष्ट्र की जनता जरूर देगी। कदम ने कहा कि एक ओर जहां बाला साहब के भतीजे पीएम मोदी को समर्थन दे रहे हैं वहीं, उद्धव ठाकरे अपने परिवार को बचाने के लिए राजनीति में उतरे हैं। जिन पार्टियों के साथ बाला साहब ठाकरे का हमेशा वैर रहा, उन पार्टियों के साथ उद्धव ठाकरे बैठे हैं। बाला साहब का विचार उनका भतीजा (राज ठाकरे) बढ़ा रहे हैं।

तेजस्वी का मछली खाने वाला वीडियो वायरल होते ही, लालू परिवार को फिर घेरने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने सावन के महीने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मटन तैयार कर उसका सेवन किया। दोनों नेताओं के जब वीडियो वायरल हुए तो लोगों ने कहा कि इनका सावन जैसे पवित्र महीने से कोई लेना देना नहीं है। अब नवरात्रि में लालू के बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मछली का आनंद लेते हुए वीडियो शेयर किया है। जिसको लेकर सियासी विवाद शुरु हो गया है।

दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें यह देखा जा सकता है कि तेजस्वी यादव की बगल में वीआइपी नेता मुकेश सहनी बैठे हैं और दोनों नेता भोजन कर रहे हैं। तेजस्वी यादव बता रहे हैं कि मुकेश सहनी अपने घर से छेचढ़ा मछली बनवा कर लाए हैं। वीडियो में तेजस्वी यादव यह कहते हुए देखे जा रहे हैं कि इस भुनी हुई मछली के साथ रोटी, प्याज, मिर्च और नमक भी है। इसके अलावा भीषण गर्मी में लू न लगे और चुनाव प्रचार जोरशोर से जारी रहे इसलिए भोजन के साथ सत्तू, तरबूज, बेल के शरबत के साथ मट्ठा भी है।

बता दें कि अगस्त 2023 में राहुल गांधी ने लालू यादव से मटन बनाना सीखा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता राहुल गांधी ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था और इसमें वो मटन की सीक्रेट रेसिपी के साथ-साथ राजनीति के गुर भी लालू यादव से सीखते नजर आ रहे थे। लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास पर राहुल गांधी ने लालू परिवार संग न सिर्फ बिहारी मटन का स्वाद चखा था जिसको लेकर राजनीति भी गर्म हो गई थी। दरअसल, लालू यादव ने सावन के महीने में मटन खाया था, जबकि बिहार में हिंदू लोग सावन को पवित्र महीना मानते हैं और मांसाहार का सेवन नहीं करते हैं। लेकिन, लालू यादव ने न केवल मटन बनाने में राहुल गांधी की मदद की बल्कि पूरे परिवार संग इसका लुत्फ भी उठाया था। इसको लेकर उनपर खूब सियासी हमले किए गए थे। इस वीडियो में सहनी दावा कर रहे हैं कि महागठबंधन बिहार की सभी 40 सीटे जीतेगा। साथ ही भोजन के बारे में बताते हुए मुकेश सहनी ये भी कहते हैं कि वीडियो को देख काफी लोगों को मिर्ची भी लगेगी। चुनाव प्रचार के बीच एक्स मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को अब तक काफी लोग देख चुके हैं और इस पर काफी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

सीएम केजरीवाल के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल...इस्तीफें की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस कड़ी में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। इसके पहले उच्च न्यायालय ने सीएम केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आप नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हाईकोर्ट द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने पर कहा, हम सुप्रीम कोर्ट गए हैं। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से न्याय जरूर मिलेगा। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से राह दिखाई, ठीक उसी तरह से केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट कोई नई राह दिखाएगा। इससे पहले हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद भारद्वाज ने कहा कि सिंह की जमानत याचिका भी हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उनकी याचिका खारिज करने के दौरान हाई कोर्ट ने वे ही बाते बोली थी जो मंगलवार को केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कही है। मगर जब संजय सिंह हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए तब उनकी जमानत हो गई। उधर, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, महंगे-महंगे वकीलों पर करोड़ों रुपये खर्च करके केजरीवाल माहौल बना सकते हैं लेकिन सच्चाई नहीं बदल सकते। सच्चाई ये है कि केजरीवाल ने शराब घोटाले में चोरी की है।

कांग्रेस के बाद अब बीजेपी प्रत्याशी चाहर ने उड़ाई आचार संहिता की धज्जियां

- कांग्रेस प्रत्याशी का आयोग पर पक्षपात का आरोप

आगरा (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी जमकर आचार संहिता का मखौल उड़ा रहे हैं। पहले कांग्रेस के प्रत्याशी के बाद बीजेपी के प्रत्याशी राजकुमार चाहर की रैली में भी आचार संहिता की धज्जियां उड़ी हैं। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के बीच खाने के पैकेट बंटवाए और जेसीबी से फूल बरसाए। खास बात यह है कि कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ फ्लाइंग स्क्वाइड टीम (एफएसटी) ने केस दर्ज करा दिया था, लेकिन बीजेपी प्रत्याशी के खिलाफ अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। दरअसल बीजेपी प्रत्याशी चाहर अपनी संकल्प सभा कार्यक्रम करने के लिए सीकरी के पिनाहट में पहुंचे थे। उनके साथ कई दर्जन गाड़ियों

का काफिला चल रहा था। इसके साथ पिनाहट के बसई अरेला में एक डिग्री कालेज के पास दो जेसीबी मशीनों के पंजे से फूल बरसाए गए। वहीं कार्यकर्ताओं के बीच खाने के पैकेट बांटे गए। समारोह में तमाम लोगों की भीड़ जुटी थी। खाने के लिए लोगों में मारा मारी मची रही। सभा स्थल पर कुर्सियां फेंकी गईं। इस मामले में कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार का कहना है कि उन्हें कमजोर करने के लिए उनके खिलाफ मुकदमें लगाए जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। राजकुमार चाहर लगातार आचार संहिता का मखौल उड़ा रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस प्रत्याशी सिकरवार का कहना है कि प्रशासन उन्हें रोकने का प्रयास कर रहा है। निर्वाचन आयोग सत्तापक्ष के दवाब में आकर विपक्ष पर कार्रवाई करता है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

बीजेपी प्रत्याशी चाहर के कार्यक्रम स्थल पर खाने के पैकेट के लिए जमकर मारा-मारी मची। लोगों ने कुर्सियां उलट-पुलट कर दीं। चाहर के काफिले के साथ चल रही गाडियों से मार्ग में जाम के हालात बन गए। कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

क्या सचमुच ईवीएम का मामला गंभीर है, विपक्षी क्यों चाहते वीवीपैट मशीन की पर्चियों से वेरिफिकेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम को लेकर पूरे देश में एक बहस छिड़ी हुई है। जो हारता है वो ईवीएम पर सवाल उठाता है जो जीतता है वो इसे भरोसेमंद मानता है। इस तरह की तमाम बहस के बीच अधिकांश विपक्षी दल ईवीएम से संतुष्ट नहीं हैं। उनका मानना है कि वीवीपैट पर्चियों का मिलान होना चाहिए। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने मार्च 2023 में शीर्ष अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की थी जिसमें कहा गया था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के मिलान को वीवीपैट के साथ क्रॉस-वेरीफाई किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह प्रक्रिया यथासंभव तेजी से की जाए, एडीआर ने वीवीपैट पर्चियों पर बारकोड के उपयोग का सुझाव दिया।

बता दें कि वीवीपीएटी मशीन ईवीएम की बैलट यूनिट इकाई से जुड़ी होती है। यह मशीन मतदाता की पसंद के साथ कागज की एक पर्ची प्रिंट करके वोटर द्वारा डाले गए वोट का विजुअल वेरिफिकेशन दिखाती है। इससे वोट देने वाले को सामने-सामने पता चल जाता है कि किसी वोट दिया गया है। कागज की इस पर्ची में उम्मीदवार का क्रमांक, नाम और पार्टी का प्रतीक होता है और एक कांच की खिड़की के पीछे मशीन में दिखती है। इससे वोटर को अपना वोट वेरीफाई करने के लिए सात सेकंड का समय मिलता है। इसके बाद पर्ची नीचे एक डिब्बे में गिर जाती है।

पार्टियों ने वीवीपैट पर्चियों के 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक वेरिफिकेशन की मांग की है। दिसंबर में विपक्षी इंडी गठबंधन ने वीवीपैट पर्चियों के 100 प्रतिशत वेरिफिकेशन की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इंडी अलायंस ने अपनी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मिलने का भी समय मांगा है।इसके अलावा चुनाव आयोग ने वर्कफोर्स की उपलब्धता समेत इंफ्रास्ट्रक्चर की चुनौतियों को भी उन मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाने में बाधाओं के रूप में उजागर किया है जहां वीवीपैट पर्चियों की गिनती की जाती है। विपक्षी दल मतदान को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए अधिक मतदान केंद्रों के वेरिफिकेशन की मांग करते रहते हैं। उनका कहना है कि निष्पक्ष चुनाव की आवश्यकता परिणामों की घोषणा में देरी की चिंता से कहीं ज्यादा जरुरी है।

सुप्रीम कोर्ट से बाबा को फिर झटका...माफीनामा नामजूर

नई दिल्ली । पतंजलि के विवादित विज्ञापन केस को लेकर एक बड़ी खबर आई है। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण द्वारा बिना शर्त माफी मांगने के लिए दायर किए गए हलफनामों को खारिज किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव से कहा कि वह 'अदालत की अवमानना की कार्यवाही को हल्के में ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम आपके हलफनामे को स्वीकार करने से इंकार करते हैं। हम मानते हैं कि आपने जो कुछ भी किया है वह जानबूझकर किया है और साथ ही हमारे आदेशों का बार-बार उल्लंघन किया है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने पतंजलि से कहा कि आपने कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है। इसकारण कार्रवाई के लिए तैयार रहें। विवादित विज्ञापन केस में पतंजलि की तरफ से 2 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में माफीनामा जमा किया गया था। बेंच ने साफ कहा कि यह माफीनामा सिर्फ खानापूर्ति के लिए है। इसके बाद कोर्ट ने 10 अप्रैल सुनवाई की तारीख तय की थी। इसके बाद, बाबा और पतंजलि आयुर्वेद के मैनेजिंग डायरेक्टर बालकृष्ण ने 9 अप्रैल को एक और एफिडेविट फाइल किया। इस एफिडेविट में बाबा रामदेव ने अपनी गलती स्वीकार कर दुबारा नहीं करने का वादा किया था। आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद पर आरोप लगाए 2022 में आरोप लगाए थे कि रामदेव की कंपनी एलोपैथी मेडिकल प्रैक्टिस के खिलाफ गलत सूचना फैला रही थी। आईएमए की ओर से वकालत कर रहे सीनियर एडवोकेट पीएस पटवालिया ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद ने योग की मदद से मधुमेह और अस्थमा को 'पूरी तरह से ठीक' करने का दावा किया था।

सूर्यग्रहण से दागदार हुई धरती, मस्क ने तस्वीर शेयर करते हुए दुख जताया

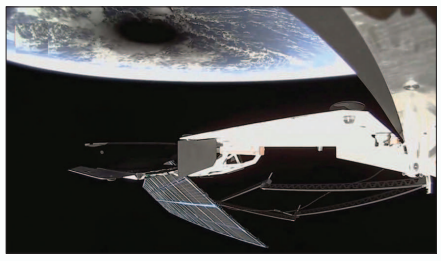

सैन फ्रांसिस्को । बीते 8 अप्रैल को दुनिया के कई देशों में सूर्यग्रहण दिखाई दिया था। इसकी शुरुआत मैक्सिको के पश्चिमी तट से हुई, जब स्थानीय समयानुसार दिन में 11:07 बजे चंद्रमा ने सूर्य को ढकना शुरू किया। एक पल वो भी आया, जिसे रिंग कहा जाता है। चांद के सामने आ जाने के बाद सूर्य एक ऐसे आकार में आया, लगा कि आसमान में कोई अंगूठी चमक रही हो। धरती से ये नजारा लाखों लोगों ने देखा। लेकिन कभी आपने सूर्यग्रहण को अंतरिक्ष से देखा है? टेस्ला के मालिक अरबपति एलन मस्क ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ये अद्भुत नजारा दिख रहा है। लेकिन उन्होंने वीडियो देखकर दुख जाहिर किया। मस्क के वीडियो शेयर करते ही यह वायरल हो गया। चंद घंटो में ही तकरीबन तीन लाख लोगों ने इसे देखा। कई लोगों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, मैं भी आपकी तरह महसूस करती हूं। यह देखकर मैं गुस्से में आती हूं। गहरे डिप्रेशन में चली जाती हूं। यह अपराध है। हमारे लिए खड़े होने के लिए धन्यवाद। दूसरे ने लिखा, सच में हमारी धरती को क्या से क्या बना दिया। इससे पहले अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी पूर्ण सूर्यग्रहण की झलक दिखाई थी। ये वीडियो अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से लिया गया है। पोस्ट करते हुए लिखा, धरती की कक्षा में स्टारलिंक उपग्रह से सूर्य ग्रहण का अद्भुत दृश्य। बाद में इसे मस्क ने शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह बिल्कुल शानदार लग रहा है। साथ ही मुझे दुख भी हो रहा है कि कैसे इस खूबसूरत धरती को वर्षों, दशकों और सदियों तक पागलों के एक समूह ने चलाया। खासकर तब जब हमारे पास वर्तमान में धरती ही एक ऐसा ग्रह है, जो देखने लायक है। दरअसल, मस्क ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें सूर्य ग्रहण पर पृथ्वी की सतह पर एक गहरे काले धब्बे की तरह दिख रहा है। यह नजारा उससे बहुत अलग है, जैसा हम धरती पर रहते हुए सूर्य ग्रहण को देखते हैं।

हांगकांग में लगी भीषण आग, 4 की मौत,12 घायल

हांगकांग। हांगकांग में एक इमारत में आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। हांगकांग के न्यू लकी हाउस नामक इमारत में लगी आग की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि तीन पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह भी कहा कि उन्हें अभी भी इमारत के अंदर से मदद के लिए लोगों के फोन आ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुबह सात बजकर 53 मिनट पर आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट सहित स्थानीय मीडिया ने बताया कि पहली मंजिल पर एक जिम में आग लग गई थी और आग पर काबू पा लिया गया है।

इटली के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट में धमाका, 3 की मौत, कई लापता

मिलान। इटली के उत्तरी इलाके में लगे एक हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट में जबरदस्त धमाका हुआ है। इस विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग लापता हैं। और पांच घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, एक क्षेत्रीय अग्निशमन प्रमुख फ्रांसेस्को नोटारो ने बताया कि इस हादसे में कम से कम चार अन्य लोग लापता चल रहे है। क्षेत्रीय अग्निशमन प्रमुख ने एसकेवाय टीजी 24 को बताया कि बोलोग्ना के दक्षिण में बिजली कंपनी एनेल के बर्गी संयंत्र में रखरखाव के काम के दौरान हुए विस्फोट से नौ मंजिला भूमिगत संरचना का एक हिस्सा ढह गया। जैसे ही विस्फोट हुआ उसके बाद आग लग गई और 60 मीटर (200 फीट) की गहराई तक बाढ़ आ गई। प्लांट के अंदर उसके और भाग के ढहने के जोखिम के कारण खोज प्रयास सावधानी से की जा रही है।

ईरान को क्यों हो रहा अपने दो दोस्त रूस और सीरिया पर शक

तेहरान । सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइली हमले को लेकर ईरान ने अपने दो दोस्तों की भूमिका पर ही सवाल उठाया है। ईरानी आम लोगों के बीच दमिश्क में आईआरजीसी अधिकारियों पर हमले के लिए इजराइल को खुफिया जानकारी देने में रूस और सीरिया की संभावित भागीदारी का शक है। दरअसल 1 अप्रैल को दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले पर त्वरित और निर्णायक प्रतिक्रिया के आह्वान के बीच ये अटकलें लग रही हैं। हालांकि ईरानी अधिकारियों और सैन्य कमांडरों ने फिर कहा है कि वह इस हमला का जवाब जरूर देगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कई अरब मीडिया आउटलेट्स का दावा है कि अगर इजरायल हमास के साथ अपने संघर्ष में राफा पर हमला करने से पीछे हट जाता है, तब ईरान इजरायल से बदला लेने की बात को छोड़ सकता है। ईरानी अखबार के संपादकीय में पूछा गया है, रूस, जो सीरियाई हवाई क्षेत्र को नियंत्रित करता है, ईरानी ठिकानों पर हवाई हमलों को क्यों नहीं रोकता है। सीरिया पर सवाल उठाकर कहा गया है कि पिछले महीनों के दौरान सीरिया में ईरान को बहुत नुकसान हुआ है और यह निश्चित रूप से सीरिया के घुसपैठियों द्वारा किए गए देशद्रोह के कारण है। अखबार में इसका जिक्र है कि हिजबुल्लाह ने 7 अक्टूबर से इजरायली हवाई हमलों में मारे गए अपने सदस्यों के रूसी और सीरियाई खुफिया विभाग से संपर्क की बात स्वीकारी है। साथ ही सोशल मीडिया पर ऐसी रिपोर्ट भी साझा की गई हैं जो कहती हैं कि सीरियाई अधिकारी चाहते हैं कि ईरान सीरिया छोड़ दें। संपादकीय में इस बात पर जोर दिया गया है कि ईरान की खुफिया और सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत किया जाए और भविष्य में इस तरह के दुखद नुकसान को रोकने के लिए इस ओर ज्यादा ध्यान दिया जाए।

वैज्ञानिकों ने पहली बार देखी ग्लोरी इफेक्ट नाम की दुर्लभ घटना

-वैज्ञानिकों को दिखाई दिए ग्रह के बाहर इंद्रधनुष

वाशिंगटन । पहली बार वैज्ञानिकों ने सौर मंडल के बाहर के किसी ग्रह पर 'ग्लोरी इफेक्ट' नाम की एक दुर्लभ घटना देखी है। यह इंद्रधनुष जैसे रंगीन संकेंद्रित छल्लों का एक समूह है जो केवल खास हालात में बनता है। ऐसे छल्ले पृथ्वी पर अक्सर देखे जाते हैं और इसके अलावा दूसरे ग्रह शुक्र पर इसका असर केवल एक बार ही पाया गया है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी के सीएचईओपीएस एक्सोप्लैनेट कैरेक्टराइजेशन सैटेलाइट के साथ-साथ कई अन्य ईएसए और नासा अभियानों के आंकड़ों से पता चला है कि वास्प-76बी नाम के ग्रह के दिन के हिस्से की तरफ असहनीय गर्मी के बीच इंद्रधनुष के छल्ले हो सकते हैं, जो अपने सूरज और उसके अंधेरे पक्ष पर अंतहीन रात का सामना करता है। इसी को पहले सौरमंडल के बार दिखने वाली ग्लोरी घटना कहा जा रहा है। अति-गर्म गैस विशाल वास्प-76बी का नारकीय वातावरण पृथ्वी से 637 प्रकाश वर्ष दूर होने का अनुमान है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगर इसकी पुष्टि हो जाती है तो यह पहली 'एक्स्ट्रासोलर ग्लोरी' इस बाह्यग्रह की प्रकृति के बारे में और अधिक खुलासा करेगी। पुर्तगाल में इंस्टीट्यूटो डी एस्ट्रोफिसिका ई सिएन्सियास डो के एक खगोलशास्त्री और अध्ययन के प्रमुख लेखक ओलिवियर डेमांजोन ने कहा, ''यह एक कारण है कि हमारे सौर मंडल के बाहर पहले ऐसी कोई घटना नहीं देखी गई है। इसके लिए बहुत ही अनोखी परिस्थितियों की आवश्यकता होती है।'' सबसे पहले, आपको ऐसे वायुमंडलीय कणों की आवश्यकता है जो पूरी तरह से गोलाकार हों, पूरी तरह से समान हों और लंबे समय तक देखे जाने के लिए पर्याप्त स्थिर हों। ग्रह के नजदीकी तारे का सीधे उस पर चमकना जरूरी है। वहीं अवलोकनकर्ता, इस मामले में चेयोप्स, का सही दिशाविन्यास भी आवश्यक है।

यूक्रेन में राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की और खारकीव के सैन्य प्रशासक ओलेह शियेनहुबोव सीमावर्ती इलाके का दौरा करते हुए।

भारत से दोस्ती का पैगाम : अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिख की जमीन वापस करेगा तालिबान

काबुल। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान, भारत से संबंध सुधारने को लेकर काफी लालायित है। इसके लिए तालिबान अलग अलग तरह से प्रयास करता रहता है। ताजा पहल के मुताबिक, तालिबानी अधिकारियों ने अफगानिस्तान स्थित हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों को उनकी जमीन वापस करने की दिशा में काम शुरू किया है। आपको बता दें कि पश्चिमी देशों के समर्थन वाली पिछली सरकार के दौरान इनसे इनकी जमीन छीन ली गई थी। इस मामले पर तालिबान के एक अधिकारी ने कहा, यह पहल अफगानिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अन्याय को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अफगानिस्तान में लंबे समय से हिंदू और सिख विस्थापित होते आ रहे हैं। वहां उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। भारतीय अधिकारी इस घटनाक्रम को भारत के प्रति तालिबान के सकारात्मक संकेत के रूप में देखते हैं। हिंदू और सिख समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य नरेंद्र सिंह खालसा हाल ही में कनाडा से अफगानिस्तान लौटे हैं। विदेशी जमीन पर पीड़ित ऐसे अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में नागरिकता संसोधन अधिनियम यानी सीएए को लागू किया है। यह बिल बहुत पहले संसद से पास हो चुका है। देशभर में इसके खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसे लागू कर दिया गया है।

इजरायल को आंख दिखाना एर्दोगन को पड़ेगा भारी... इजरायल ने उठाया यह कदम

अमेरिकी संगठनों से तुर्की में निवेश नहीं करने को कहा

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा में चल रहे इजरायली हमले के बीच तुर्की और इजरायल के बीच भारी तनाव आ गया है। दोनों व्यापार को लेकर जैसे को तैसा वाले व्यवहार पर उतर चुके हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब गाजा में इजरायली हमले के विरोधी तुर्की ने तत्काल प्रभाव से अपने 54 तरह के उत्पादों को इजरायल में निर्यात पर पाबंदी लगा दी। तुर्की के इस रुख को देखकर इजरायल ने भी तुरंत घोषणा कि वहां तुर्की से आयात करने वाले सामानों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

तुर्की ने जिन 54 उत्पादों के निर्यात पर पाबंदी लगाई है, उसमें एल्यूमिनियम, स्टील, भवन निर्माण के सामान, जेट ईंधन, और केमिकल खाद शामिल हैं।

इस प्रतिबंध से ठीक पहले तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा था कि इजरायल ने तुर्की सेना के कार्गो प्लेन को गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने वाले ऑपरेशन में शामिल होने से रोक दिया है। उन्होंने कसम खाकर कहा कि जब तक गाजा में युद्धविराम नहीं होता और वहां बिनी किसी रुकावट के मानवीय मदद ले जाने की अनुमति नहीं मिलती तब तक इजरायल के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए जाएंगे।

तुर्की के निर्यात प्रतिबंधों पर प्रतिक्रिया देकर इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कात्ज ने कहा, एर्दोगन फिर गाजा के हमास हत्यारों के समर्थन के लिए तुर्की के लोगों के आर्थिक हितों की बलि दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अमेरिका के संगठनों से संपर्क कर कहा है कि वे तुर्की में निवेश न करें और तुर्की के सामानों का आयात करने से बचें। तुर्की के साख्यिकी ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2023 में तुर्की ने 5.4 अरब डॉलर का सामान इजरायल को निर्यात किया था। दोनों देशों ने सालों की दुश्मनी भुलाकर साल 2022 में अपने रिश्ते सामान्य किए थे और अपने राजदूतों को एक-दूसरे की राजधानियों में रहने की अनुमति दी थी।

इजरायल पर व्यापार प्रतिबंध उस वक्त में सामने आया है, जब तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन पर इजरायल के साथ व्यापार रोकने का दबाव बढ़ता जा रहा था। आलोचकों का कहना है कि एर्दोगन सरकार दोहरे मापदंड अपना रही है, एक ओर सरकार गाजा में युद्ध के लिए इजरायल पर बड़े आरोप लगा रही है। वहीं दूसरी तरफ, इजरायल के साथ व्यापारिक संबंधों को भी बरकरार रखा है। इस्लामिक नीतियों पर चलने वाले एर्दोगन साल 2003 में सत्ता में आने के बाद से ही इजरायल के खिलाफ मुखर रहे हैं। फिलिस्तीनियों के प्रति इजरायल के रवैये की वहां सख्त आलोचना करते रहे हैं।

ईरान को क्यों हो रहा अपने दो दोस्त रूस और सीरिया पर शक

तेहरान (एजेंसी)। सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइली हमले को लेकर ईरान ने अपने दो दोस्तों की भूमिका पर ही सवाल उठाया है। ईरानी आम लोगों के बीच दमिश्क में आईआरजीसी अधिकारियों पर हमले के लिए इजराइल को खुफिया जानकारी देने में रूस और सीरिया की संभावित भागीदारी का शक है। दरअसल 1 अप्रैल को दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले पर त्वरित और निर्णायक प्रतिक्रिया के आह्वान के बीच ये अटकलें लग रही हैं। हालांकि ईरानी अधिकारियों और सैन्य कमांडरों ने फिर कहा है कि वह इस हमला का जवाब जरूर देगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कई अरब मीडिया आउटलेट्स का दावा है कि अगर इजरायल हमास के साथ अपने संघर्ष में राफा पर हमला करने से पीछे हट जाता है, तब ईरान इजरायल से बदला लेने की बात को छोड़ सकता है। ईरानी अखबार के संपादकीय में पूछा गया है, रूस, जो सीरियाई हवाई क्षेत्र को नियंत्रित करता है, ईरानी ठिकानों पर हवाई हमलों को क्यों नहीं रोकता है। सीरिया पर सवाल उठाकर कहा गया है कि पिछले महीनों के दौरान सीरिया में ईरान को बहुत नुकसान हुआ है और यह निश्चित रूप से सीरिया के घुसपैठियों द्वारा किए गए देशद्रोह के कारण है।

अखबार में इसका जिक्र है कि हिजबुल्लाह ने 7 अक्टूबर से इजरायली हवाई हमलों में मारे गए अपने सदस्यों के रूसी और सीरियाई खुफिया विभाग से संपर्क की बात स्वीकारी है। साथ ही सोशल मीडिया पर ऐसी रिपोर्ट भी साझा की गई हैं जो कहती हैं कि सीरियाई अधिकारी चाहते हैं कि ईरान सीरिया छोड़ दें। संपादकीय में इस बात पर जोर दिया गया है कि ईरान की खुफिया और सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत किया जाए और भविष्य में इस तरह के दुखद नुकसान को रोकने के लिए इस ओर ज्यादा ध्यान दिया जाए।

मालदीव में भारतीय पर्यटकों के बाद चीनी टूरिस्टों की संख्या में भी गिरावट

माले। भारतीय पर्यटकों की संख्या दिसंबर 2023 तक मालदीव में सबसे ज्यादा थी। लेकिन मालदीव के मंत्रियों की भारत विरोधी पोस्ट के बाद से बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बॉयकॉट कर दिया। अब मालदीव में सबसे ज्यादा टूरिस्ट चीन, रूस, यूके, इटली और जर्मनी से आ रहे हैं। मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या गिरती जा रही है। भारतीय पर्यटक संख्या के लिहाज से छठे नंबर पर हैं। भारतीयों के बॉयकॉट के बाद चीनी टूरिस्टों की संख्या बढ़ी थी। लेकिन अब वह अचानक गिर गई है। फरवरी में जहां 33,897 चीनी पर्यटक पहुंचे तो मार्च में यह संख्या आधे से भी कम रह गई। मार्च में सबसे ज्यादा पर्यटक रूस, यूके, जर्मनी, इटली और चीन से आए हैं।

चंद्रयान-3 मिशन टी को मिला जॉन एल 'जैक' स्विगर्ट जूनियर अवॉर्ड

-चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक 'सॉफ्ट लैंडिंग' कर रचा था इतिहास

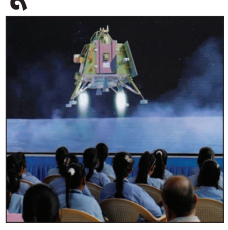

वाशिंगटन (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन को सफल बनाने वाले वैज्ञानिकों का अमेरिका में बजा डंका। भारत की चंद्रयान-3 मिशन टीम को अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रतिष्ठित 2024 जॉन एल 'जैक' स्विगर्ट जूनियर पुरस्कार मिला है। कोलोराडो में वार्षिक अंतरिक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाले पहले देश के रूप में, इसरो द्वारा विकसित मिशन चंद्रयान-3 मानवता की अंतरिक्ष अन्वेषण आकांक्षाओं को समझ और सहयोग के लिए नए क्षेत्रों तक विस्तारित करता है। स्पेस फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जनवरी में पुरस्कार की घोषणा के समय कहा था- अंतरिक्ष में भारत का नेतृत्व दुनिया के लिए प्रेरणा है। चंद्रयान-3 टीम के अग्रणी कार्य ने अंतरिक्ष अन्वेषण के स्तर को फिर बढ़ा दिया है। चंद्रयान की लैंडिंग हम सभी के लिए एक मॉडल है। बधाई हो।

बता दें कि भारत ने पिछले साल अगस्त महीने में मिशन चंद्रयान-3 के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक 'सॉफ्ट लैंडिंग' कर इतिहास रच दिया था और चांद के इस क्षेत्र पर उतरने वाला वह दुनिया का पहला देश बन गया था. इसरो के इस कदम की पूरी दुनिया में सराहना की गई थी और पूरी दुनिया ने भारत की इस कामयाबी का लोहा माना था।

जिंदगी की कीमत पर शिक्षा, अमेरिका में भारतीयों को कौन मार रहा है? 4 महीने में चौंकाने वाले आंकड़े

ओटावा (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हमले और उनकी हत्या के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हैदराबाद का छात्र क्लीवलैंड में मृत पाया गया है। ये घटना इस देश में भारतीय मूल के छात्रों की मौत की हाल में हुई कई घटनाओं के बीच सामने आयी है। नाचाराम का रहने वाला मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले साल मई में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) में स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने अमेरिका आया था। बताया जाता है कि उसका अपहरण कर लिया गया था। छात्र के पिता की शिकायत पर सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया था। लेकिन इसी बीच क्लीवलैंड में अरफात का शव मिला। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छात्र की हत्या किए जाने की पुष्टि की है। इसके साथ ही जल्द छात्र के शव को भारत पहुंचाने की बात कही गई है। भारतीय छात्र अराफात की हत्या को लेकर कई अहम जानकारी सामने आई है। जिसने अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की चिंता बढ़ा दी है।

परिवार को आया फोन

अरफात पांच मार्च को रिजर्व स्क्वायर स्थित अपने घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। भारतीय दूतावास के मुताबिक अराफात को किसी ने अगवा कर लिया था। अमेरिका में अरफात के कमरे में उसके साथ रहने वाले व्यक्ति ने उसके पिता को सूचित किया था कि उसने क्लीवलैंड पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है लेकिन 19 मार्च को अरफात के परिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने दावा किया कि अरफात का कथित तौर पर मादक पदार्थ बेचने वाले एक गिरोह ने अपहरण कर लिया गया है और उसने उसे छोड़ने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर की मांग की थी। उसके पिता सलीम ने कहा कि फोन करने वाले ने फिरौती न देने पर अरफात की किडनी बेचने की भी धमकी दी थी।

भारतीय मूल के छात्रों की मौत की संख्या 11 हो गई

अराफात की मौत के बाद 2024 में अमेरिका में भारतीय और भारतीय मूल के छात्रों की मौत की संख्या 11 हो गई है। जबकि हम इस वक्त चौथे महीने में ही हैं। भारतीयों में विदेश, विशेषकर अमेरिका में शिक्षा प्राप्त करने की चाहत है। यह अमेरिकी विश्वविद्यालयों के लिए भी वरदान बन गया है। आजकल, भारतीय छात्र तेजी से अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अध्ययन करना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिकी विश्वविद्यालयों में तेजी आ रही है। पिछले वर्ष की तुलना में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए नामांकन में 35त्न की आश्चर्यजनक वृद्धि के साथ, अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या आसमान छू गई है। ओपन डोर्स रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में भारतीय मूल के छात्रों की संख्या लगभग 275,000 है और यह कुल विदेशी छात्रों का 25त्न है और फीस और खर्च के रूप में प्रति वर्ष 9 बिलियन डॉलर आते हैं।

अमेरिका में शिक्षा जिंदगी की कीमत पर?

भारतीय छात्रों का मानना है कि अमेरिकी डिग्री उच्च वेतन वाली नौकरियों के दरवाजे खोलती है, लेकिन किस कीमत पर? अमेरिका में हाल ही में भारतीय छात्रों की मौत ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। साल 2024 की शुरुआत से ही भारतीय छात्रों की मौत की खबरें जोर पकड़ती जा रही हैं। भारतीय छात्र हिंसक हमलों का शिकार बने, चाहे हमले पैसों के लिए हों या निजी कारणों से। इससे इस साल अमेरिका में भारतीय और भारतीय मूल के छात्रों की मौत की संख्या 11 हो गई, जो एक आश्चर्यजनक संख्या है।

पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबारने का संकल्प कैसे पूरा करेंगे? विना वेतन वाले औरंगजेब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कंगाली और बदहाली के दौर से गुजर रहा है। यहां दो जून की रोटी के भी लाले पड़ रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री शहबाज के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब काफी चर्चा में आ गए हैं। वे बिना के वेतन के काम कर रहे हैं और उन्होंने देश को आर्थिक संकट से उबारने का संकल्प लिया है।

सिंगापुर में बैंक की आरामदायक नौकरी छोड़कर पाकिस्तान आए औरंगजेब लाहौर के एक संपन्न परिवार से आते हैं। वह देश के प्रतिष्ठित एचिसन कॉलेज से पढ़ाई कर चुके हैं। अपने करियर की शुरुआत में उन्होंने न्यूयॉर्क में सिटीग्रुप इंक में काम किया। उनके पिता पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल रह चुके हैं। अपना करियर शुरू करने के बाद, औरंगजेब एबीएन एमरो बैंक एनवी में काम करने के लिए पाकिस्तान लौट आए थे। बाद में, वह एम्स्टर्डम में बैंक के मुख्यालय में गए। साल 2018 में उन्होंने पाकिस्तान के सबसे बड़े ऋणदाता हबीब बैंक लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभालने के लिए सिंगापुर में जेपी मॉर्गन को छोड़ दिया और इस्लामाबाद लौटे।

पाकिस्तान अपने सबसे खराब आर्थिक संकटों में से एक का सामना कर रहा है। पड़ोसी देशों के साथ खराब राजनयिक संबंधों और आतंकवाद से जूझ रहे पाकिस्तान के सामने खुद को खड़ा करने की बड़ी चुनौती है। आसमान छूती महंगाई, अवरुद्ध हो चुके विकास कार्य और जनता में असंतोष की भावना फैली हुई है। दिवालिया से खुद को बचाने के लिए पाकिस्तानी सरकार मुस्लिम देशों और आईएमएफ से आर्थिक मदद की गुहार लगा रही है। इस विकट परिस्थिति के बीच मोहम्मद औरंगजेब ने पाकिस्तान में वित्त की कमान संभाली है। जिसकी पूरे देश में चर्चा है। पाकिस्तानी सरकार को यकीन है कि औरंगजेब पाकिस्तान को इस संकट से उबार लेंगे। पीएम शहबाज को अपना रोल-मॉडल कहने वाले औरंगजेब के सामने चुनौती काफी बड़ी है। फिलहाल वह आईएमएफ से 6 अरब डॉलर के तीन साल के कार्यक्रम के लिए जून तक समझौता कराने की कोशिश में लगे हैं। औरंगजेब को पाकिस्तान में औरी निकनेम से भी जाना जाता है। पाकिस्तानी सरकार में उनका यह पहला पदभार नहीं है।

संपादकीय

संकट की दस्तक

पिछले साल सिक्किम में लहोनक ग्लेशियर झील फटने की घटना पुरानी नहीं है जिसमें 180 लोगों के मरने व पांच हजार करोड़ के नुकसान की खबर थी। इसी तरह केदारनाथ में चौराबाड़ी ग्लेशियर झील फटने से हजारों लोगों की जल प्रलय में मौत हुई थी। 2021 में उत्तराखंड की नीति घाटी में ग्लेशियर झील फटने से दो सौ लोगों के मरने समेत डेढ़ हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। अब हिमालय पर्यावरण विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि देश के हिमालय क्षेत्र में आने वाले राज्यों में खतरनाक किस्म की 188 ग्लेशियर झीलें बन चुकी हैं, जो किसी बड़े भूकंप आने पर लाखों लोगों के जीवन पर घातक प्रभाव डाल सकती हैं। यूं तो सबसे ज्यादा खतरे की वजह पूर्वोत्तर की झीलें हैं, लेकिन खतरा कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में भी लगातार बना हुआ है। दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले डिजास्टर मैनेजमेंट डिवीजन और हिमालय अध्ययन विशेषज्ञों की टीम द्वारा किए गए एक साल की स्टडी के बाद जो निष्कर्ष सामने आए हैं वे चिंता में डालने वाले हैं। दरअसल, अब ग्लोबल वार्मिंग का वास्तविक खतरा सामने दिखायी दे रहा है। लगातार बढ़ते तापमान से हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पहाड़ों में बर्फ पिघलने से बने जल को निकासी का रास्ता न मिलने पर ये बर्फीला पानी झीलों के रूप में एकत्र हो जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि यदि इन संवेदनशील इलाकों में सात तीव्रता जैसा भूकंप आता है तो ये झीलें जल बम बनकर फूट सकती हैं। इससे छह राज्यों की करीब तीन करोड़ आबादी प्रभावित हो सकती है। दरअसल, इस हालिया अध्ययन में बताया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते इन हिमालयी क्षेत्रों में 28 हजार से अधिक झीलें बन गई हैं। जिसमें 188 ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन संवेदनशील झीलों को ए श्रेणी में रखा गया है। इन इलाकों में ग्लेशियरों के पिघलने व खिसकने का खतरनाक ट्रेंड देखा गया है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों की पिघलने की दर 15 प्रतिशत बढ़ गई है। जो हमारे लिए गंभीर चेतावनी का कारण बन रही है। केंद्र सरकार के अधिकारी और पर्यावरण विशेषज्ञ ग्राउंड जीरो व उपग्रहों के जरिये इन झीलों की बराबर निगरानी कर रहे हैं। इन इलाकों में स्वचालित मौसम निगरानी केंद्र बनाये गए हैं। इस दिशा में मंथन किया जा रहा है कि कैसे इन खतरनाक झीलों का पानी आधुनिक तरीकों से रिलीज किया जाए। एक ओर जहां झीलों से जल निकासी के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, वहीं ड्रिल करके पानी को नियंत्रित करने पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा भूमिगत पानी के साथ मिलाने के लिये भूमिगत टनल बनाने पर भी मंथन हो रहा है। निस्संदेह,यह एक गंभीर पर्यावरणीय संकट हैं और छह राज्यों के करोड़ों लोग इस संकट से प्रभावित हो सकते हैं। दरअसल, झील के फटने पर मिट्टी व भारी मलबा ढलान पर गोली की तरह उतरता है, जो भारी तबाही का कारण बन सकता है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कला-संस्कृति : राजस्थान का लोकोत्सव गणगौर

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(11 अप्रैल पर विशेष)

राजस्थान का नाम सुनते ही मन खुशी से झूम उठता है। राजस्थान के पर्व त्यौहार अपने आप में अलग ही महत्व रखतें हैं। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है।

गणगौर शब्द भगवान शिव और पार्वती के नाम से बना है। गण यानि भगवान शिव और गौर यानि पार्वती। इसलिए शिव-पार्वती की पूजा के रूप में इस त्यौहार को मनाया जाता है।

होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं--

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं--

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,
बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,
म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं--

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो,
ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो। रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं--

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं--

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''। हमें आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं। अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

क्यों बिहार पर टिकी है सबकी निगाहें?

(लेखक-संजय गोस्वामी)

क्यों बिहार पर है सबकी निगाहें क्योंकि बिहार एक ऐसा राज्य है जिसकी सीमाएं बड़े राज्यों से लगी है और उसी सेंटर से लोकसभा में हार जीत का फैसला होता है बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार बीआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट है। नीतीश का उपनाम मुन्ना है।सोशल इंजीनियरिंग के जादूगर नीतीश कुमार ने सुशासन के मुद्दे पर पिछला चुनाव लड़कर बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल की थी। नीतीश कुमार अब तक तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। विचारों से समाजवादी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी सुलझे हुए नेता माने जाते हैं। मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने एनडीए से काफी पुराना नाता तोड़ लिया था। नीतीश कुमार इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने लिए उपयुक्त संभावनाएं तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार के पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले नीतीश कुमार का जन्म साल 1951 में बिहार के एक दलित परिवार में हुआ था। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। नीतिश के पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। नीतीश ने राजनीति के गुण जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और जॉर्ज फर्नांडीज से सीखे थे। नीतीश ने 22 फरवरी 1973 को पेशे से इंजीनियर मंजू कुमारी सिन्हा से शादी की थी। नीतीश कुमार का एक पुत्र है जो बीआईटी, मेश्रा से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है नीतीश के राजनीतिक करियर की शुरूआत साल 1977 में हुई थी। इस साल नीतीश ने जनता पार्टी के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। साल 1985 को नीतीश बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए। नीतीश का राजनीतिक कद धीरे धीरे बढ़ता जा रहा था। इसी बीच साल 1987 को नीतीश कुमार बिहार के युवा लोकदल के अध्यक्ष बन गए। नीतीश राजनीति में पारंगत हो ही रहे थे कि साल 1989 को नीतीश कुमार को जनता दल (बिहार) का महासचिव बना दिया गया। अब तक नीतीश ने अच्छी खासी राजनीतिक पहचान बना ली थी। साल 1989 नीतीश के राजनीतिक करियर के लिए काफी अहम था। इस साल नीतीश 9वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लोकसभा के लिए ये नीतीश का पहला कार्यकाल था। इसके बाद साल 1990 में नीतीश अप्रैल से नवंबर तक कृषि एवं सहकारी विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे। नीतीश का राजनीतिक कद लगातार बढ़ता जा रहा था। साल 1991 में दसवीं लोकसभा का चुनाव हुए नीतीश एक बार फिर से संसद में पहुंचे। इसी साल नीतिश कुमार जनता दल के महासचिव बने और संसद में जनता दल के उपनेता भी बने। करीब दो साल बाद 1993 को नीतीश को कृषि समित का चेयरमैन बनाया गया। एक बार फिर से आम चुनाव ने दस्तक दी। साल 1996 में नीतीश कुमार 11वीं लोकसभा के लिए चुने गए। नीतीश साल 1996-98 तक रक्षा समिति के सदस्य भी रहे। साल 1998 ने नीतीश फिर से 12वीं लोकसभा के लिए चुने गए। 1998-99 तक नीतीश कुमार केंद्रीय रेलवे मंत्री भी रहे। एक बार फिर चुनाव हुए साल 1999 में नीतीश कुमार 13वीं लोकसभा के लिए चुने गए। इस साल नीतीश कुमार केंद्रीय कृषि मंत्री भी रहे। साल 2000 नीतीश के राजनीतिक करियर का सबसे अहम मोड़ था। इस साल नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका कार्यकाल 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक चला। चूंकि बहुमत साबित नहीं कर सकें लेकिन सबसे बड़ी पार्टी एन डी ए थी अतः उस समय केंद्र में बीजेपी की सरकार थी अतः जद यू के कोटे से साल 2000 में नीतीश एक बार फिर से केंद्रीय कृषि मंत्री रहे। साल 2001 में नीतीश को रेलवे का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। साल 2001 से 2004 तक नीतीश केंद्रीय रेलमंत्री रहे। साल 2002 के गुजरात दंगे भी नीतीश कुमार के कार्यकाल के दौरान हुए थे।लेकिन गठबंधन बना था उस समय स्व शरद यादव अध्यक्ष थे लेकिन सही मायने में कमान श्री नीतीश कुमार के पास थी साल 2004 में नीतीश 14वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लेकिन उस समय यू पी ए की सरकार बनी,साल लेकिन 2005 में नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने। बतौर 31वें मुख्यमंत्री नीतीश का ये कार्यकाल 24 नवंबर 2005 से 24 नवंबर 2010 तक चला। 26 नवंबर 2010 को नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने व एंनडीए की सरकार बनी 2014 में जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का नाम बीजेपी ने पारित किया तो झिलमिला गएँ चूंकि 2014 में और अपनी पार्टी,जनता दल (यू) को उन्होंने एनडीए से अलग कर लिया बीजेपी की मज़बूरी यह थी कि लगातार श्री आडवाणी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल ही नहीं रहा था अतः मोदीजी के गुजरात के शासन से लोगों में एक विश्वास जगा और पहली बार बीजेपी को सरकार बनाने हेतु स्पष्ट बहुमत मिला और उधर बिहार की राजनीति में चाणक्य व पाला बदलने में मशहूर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक मंझे हुए राजनेता के मशहूर नाम के नाम से उभरे उन्हें जब 2सीट मिली तो हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने मांझी को सी एम बना दिया फिर कुछ साल बाद 2015 में उन्हें लगने लगा कि कुर्सी नहीं होने के कारण कोई पूछ ही नहीं रहा है तो उन्होंने मांझी से बगावत कर आरजेडी से मिलकर सरकार बना ली और 2016 में आर जे डी व कांग्रेस से मिलकर महागठबंधन बना ली और पुनः मुख्य मंत्री बने और फिर लालू के बेटे तेजस्वी को उपमुख्यमंत्री बनाया और आरजेडी के साथ मिलकर कुछ सालों बाद2017में बी जे पी के साथ मिलकर सरकार बना ली और ऐ गठबंधन 2020तक चली और पुनः बीजेपी, हम, निषाद पार्टी के साथ मिलकर वो मुख्यमंत्री बने और श्री सुशील मोदी उप मुख्य बने। कुछ सालों में दोनों दलों में खटपट होने लगी मुझे याद है अकेले प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने ताबड़तोड़ खूब सभाएं की क्योंकि सारे एग्जिट पोल महा गठबंधन को जीतते दिखा रही थी मोदीजी ने चुनाव में जंगल राज की बात करते हुए दो राजकुमार को खूब खड़ी खोटी सुनाई उस समय की याद यानि जंगल राज में गावों में लकड़सुंघवा घूमता था जो ठग, नशीली वस्तु का प्रयोग कर ठगने या लूटने वाला शिकारी है और बच्चा चोर शायद उस समय बच्चा के गायब होनी की खूब घटना घटी और एक ऐसा गैंग सक्रिय हो गया जो लूट पाट मारपीट, हत्या, वसूली, और बच्चों की तस्करी कर उनकी खोपड़ी को विदेशों में बेचते थे मोदीजी में ऐ सबसे बड़ी ताकत यह है कि सच्ची बात बताने और काम करने वालों की प्रशंसा करते हैं आज कोई जेल में है तो एक घोटाला हुआ और पकड़े गए

विचार मंथन

कोर्ट का फैसला सोशल मीडिया के लिए आशा की किरण

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, कि सोशल मीडिया पर आरोप लगाने वाले हर व्यक्ति को यदि इसी तरह से सलाखों के पीछे डाला जाएगा, तो कितने लोग जेलों में कैद होंगे। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। तमिलनाडु सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विरोध प्रदर्शन करना और विचारों की स्वतंत्रता का दुरुपयोग, आरोपी द्वारा नहीं किया गया है। हाई कोर्ट ने आरोपी की जो जमानत तमिलनाडु हाईकोर्ट ने कैंसिल की थी। हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का जो हलफनामा है, उसमें आरोपी ने कहा था कि वह स्टालिन या किसी अन्य के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं करेगा। याचिकाकर्ता द्वारा उसका उल्लंघन किया गया है। हाई कोर्ट ने इस आधार पर, कि आरोपी ने अपने शपथ पत्र में कही हुई बात को नहीं माना। इस आधार पर हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत कैंसिल कर दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यूट्यूबर, ए दुरई मुरूगन सताई को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला यूट्यूबर के साथ- साथ उन सभी व्यक्तियों के लिए, जो समय-समय पर सरकार का विरोध करते हैं। अपने विचारों की स्वतंत्र ढंग से अभिव्यक्ति करते हैं। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं। विरोध प्रदर्शन वह सोशल मीडिया और यूट्यूबर के रूप में अपने असंतोष को सार्वजनिक करते हैं। यह सुरक्षा भारतीय संविधान ने दे रखी है। कोई भी व्यक्ति यदि इसका दुरुपयोग करता है। ऐसी स्थिति में उसके लिए प्रभावित पक्ष द्वारा आईपीसी में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने अथवा मानहानि के रूप में विधिक कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे कई विकल्प मौजूद हैं। जिस व्यक्ति के खिलाफ यह कार्रवाई की गई थी, उस व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा भारतीय संविधान में निहित है। जिस तरह से सरकारों द्वारा सरकार के खिलाफ बयान देने अथवा सरकार के किसी निर्णय, विरोध प्रदर्शन, आलोचना करने पर जेल भेजा जा रहा है। उसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत बताया है। पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें अपने खिलाफ किसी भी विरोध को सहन नहीं कर पाती हैं। गलत तरीके से मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। लोगों को जेल भेजा जा रहा है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने पर लोगों को आईटी एक्ट या ऐसे मामलों में बंद किया जाता है, जिसमें महीनों और सालों तक जमानत नहीं होती है। इस तरह के मामले में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर, स्पष्ट कर दिया है।

विचारों की भिन्नता होना, अथवा विपरीत विचारों के होते हुए भी किसी व्यक्ति को विचार व्यक्त करने से रोका नहीं जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के अधिकार इससे प्रभावित हो रहे हैं। किसी व्यक्ति द्वारा दुर्भावना से यदि अपमानजनक टिप्पणी अथवा झूठा बयान दिया जा रहा है। इसके लिए भारतीय दंड संहिता में अलग तरीके से कानून में प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अधिकारों का दुरुपयोग मानते हुए आरोपी को जमानत दी है। तमिलनाडु हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त करने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट ने की है। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लोग अपने विचारों की अभिव्यक्ति बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जिनको वह विचार अच्छे नहीं लगते हैं।

वह उसे ना देखें, यदि किसी के ऊपर व्यक्तिगत आक्षेप गलत तरीके से किए गए हैं, तो उसे व्यक्ति को भी अधिकार है, कि वह ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई कर सकता है। इस तरह से आरोपी को जेल में बंद नहीं रखा जा सकता है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जांच एजेंसी, ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की पालना में भविष्य में इस तरह से यदि कोई कार्रवाई की जाती है। ऐसी कार्रवाई पर जमानत देते हुए संवैधानिक स्वरूप को बनाए रखने के लिए लचीलापन अपने की जरूरत है। नाकि सरकार और जांच एजेंसी द्वारा की गई कार्रवाई को मानने की जरूरत है। पिछले कुछ समय से सरकार द्वारा सोशल मीडिया से जिस तरह से कंटेंट हटाए जा रहे हैं। यूट्यूबर पर जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है। उसका बड़ा विरोध पत्रकारों द्वारा किया जा रहा है। न्यायालयीन व्यवस्था में दो पक्ष होते हैं। न्यायालय के लिए दोनों पक्ष समान रूप से न्याय पाने के अधिकारी होते हैं। सरकार और जांच एजेंसियां जिस तरीके की कार्रवाई कर रही हैं।

उससे न्यायालयों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से यही जाहिर होता है।

पालमपुर

अपने में समेटे है अनगिनत धरोहर

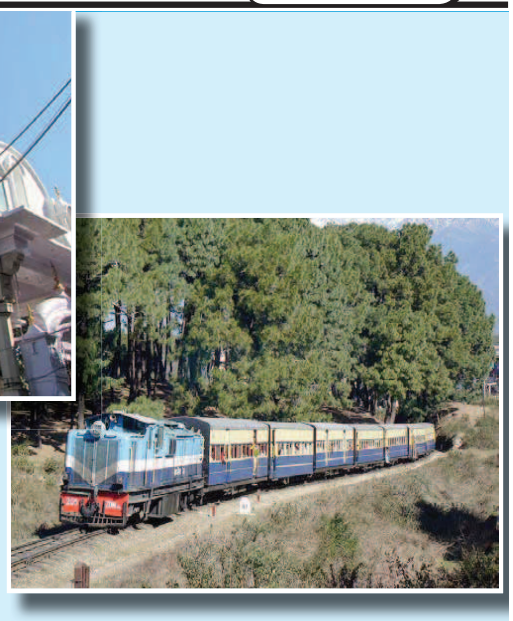

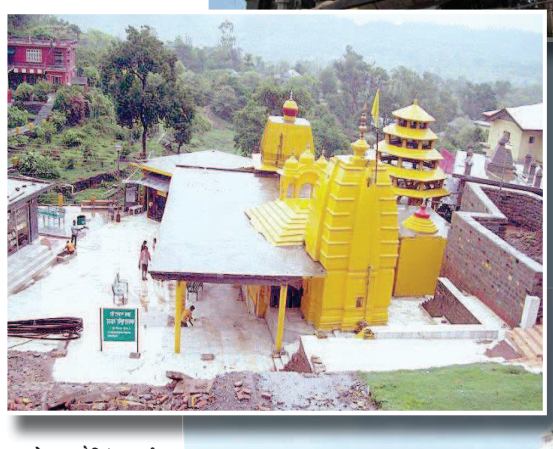

पालमपुर हिमाचल प्रदेश की मनोरम वादियों में बसा एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है। हिमाचल प्रदेश की इस छोटी सी सैरगाह को धौलाधार पर्वतमाला के साये में फैली कांगड़ा घाटी का सुंदरतम स्थान कहा जाता है। समुद्र तल से 1205 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पालमपुर सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में सैलानियों को आकर्षित करता है। कहते हैं पालमपुर के नाम की उत्पत्ति स्थानीय बोली के 'पुलम' शब्द से हुई थी। जिसका अर्थ पर्याप्त जल होता है। वास्तव में इस क्षेत्र में जल की कोई कमी नही है। हर ओर जल के सोते, झरने या नदियां मौजूद हैं। शायद इसीलिए यहां की हवाओं में शीतलता के साथ नमी भी है। हवाओं की यह नमी और पहाड़ी ढलानों पर खुलकर पड़ती सूर्य की किरणों का मिला-जुला रूप यहां की जलवायु को एक विशिष्टता प्रदान करता है। एक ऐसी विशिष्टता जो चाय की खेती के अनुकूल है। इस क्षेत्र की यह खासियत भांप कर 1849 में डा. जमसन ने यहां पहली बार चाय की खेती की थी। कुछ दशकों में ही कांगड़ा घाटी की चाय विश्व प्रसिद्ध हो गई।

खूबसूरत नजारे

आज पालमपुर शहर बड़े-बड़े चाय बागानों के मध्य ही बसा है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण ये हरे-भरे चाय के बागान हैं। पैदल घूमते हुए मार्ग के दोनों और दूर-दूर तक चाय के झाड़ीनुमा पौधे और उनमें पत्तियां चुनते लोग एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते है। कमर पर लंबी टोकरी बांधे ये लोग अपने काम में व्यस्त रहते है। कुछ पर्यटक भी इन बागानों के मध्य घूमते पहुंच जाते है। जो अपने आप में अलग ही अनुभव होता है। पालमपुर में 'न्युगल खड' नामक स्थान एक पिकनिक स्पॉट के समान है। यह स्थान पहाड़ के छोर पर एक खड़ी चट्टान पर स्थित है। जहां से बादला जलधारा और धौलाधार की 15000 फुट से ऊंची पर्वत श्रंखलाओं का खूबसूरत नजारा दिखाई पड़ता है। इस स्थान से हर दिशा में प्राकृतिक सुषमा का साम्राज्य देखने को मिलता है। यहां पर्यटन विभाग का न्युगल कैफे भी है। दूर ही करीब 5 शताब्दी पुराना बांदला माता मंदिर और विंध्यवासिनी मंदिर भी दर्शनीय है। चाय बागानों के अतिरिक्त चीड़ व देवदार के जंगल भी पालमपुर की हरीतिमा में अपना योगदान देते हैं।

पालमपुर शहर का केंद्र सुभाष चौक है जिसके आसपास यहां का बाजार फैला है। जहां अनेक फास्ट फूड पार्लर और रेस्तरां हैं। पर्यटक चाहें तो कोआपरेटिव टी फैक्ट्री में चाय की प्रोसेसिंग का काम भी देख सकते हैं। यहां पहुंच कर चाय की महक और उसका स्वाद उन्हें चाय खरीदने को भी अवश्य आकर्षित कर लेगा। एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में पालमपुर की प्रसिद्धि का एक और बड़ा कारण है।

दरअसल इस स्थान को आधार बनाकर सैलानी हिमाचल प्रदेश कि सुप्रसिद्ध कांगड़ा घाटी के अनेक दर्शनीय स्थल सरलता से देख सकते हैं। इसके लिए पहले सैलानी कांगड़ा घाटी रेलवे की टॉय ट्रेन का मनमोहक सफर तय कर पालमपुर पहुंचते हैं। जिसके आसपास विभिन्न दिशाओं में कई महत्वपूर्ण स्थल थोड़ी-थोड़ी दूर स्थित हैं। जहां बस या टैक्सी द्वारा जाना आसान है। 13 कि.मी. दूर स्थित आंद्रेटा ऐसा ही एक स्थान है। यह स्थान कलाप्रेमियों का तीर्थ कहा जाता है। यह स्थान ग्रामीण व पंजाबी थियेटर को समर्पित नोरा रिचर्ड की स्मृतियों से जुड़ा है। वह गांधी जी की शिष्या भी थीं। उनके अलावा आंद्रेटा का संबंध प्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री सोबा सिंह व बीसी सान्याल से भी है।

यहां सोबा सिंह की छोटी सी कला दीर्घा है। जहां उनके बहुत से चित्रों में सोहनी-महिवाल, हीर रांझा व कांगड़ा दुल्हन जैसे प्रसिद्ध चित्र भी प्रदर्शित हैं। प्रसिद्ध ऐतिहासिक बैजनाथ मंदिर पालमपुर से मात्र 18 कि.मी. दूर है। लगभग 1200 वर्ष प्राचीन यह मंदिर वास्तुशिल्प व पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की गिनती 12 ज्योतिर्लिंगों में होती है। मंदिर के आसपास सुंदर उद्यान है। जहां से पर्वतशिखरों पर मंडराते बादलों का दृश्य पर्यटकों को प्रभावित करता है। शिवरात्रि पर यहां एक विशाल मेला लगता है।

चामुण्डा देवी मंदिर

पालमपुर से लगभग 17 कि.मी. दूर एक और धार्मिक स्थल चामुण्डा देवी मंदिर है। यह स्थान चामुण्डा- नंदिकेश्वर धाम' के रूप में भी जाना जाता है। बाण गंगा के तट पर स्थित यह धाम एक उग्र सिद्ध पीठ है। मां काली ने जिस रूप में यहां चण्ड-मुण्ड राक्षसों का वध किया था। उस रूप को यहां चामुण्डा देवी के रूप में पूजा गया। नवरात्रों के मौके पर यहां भक्तों की अपार भीड़ होती है। चामुण्डा से मात्र 18 कि.मी. दूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल धर्मशाला है। पालमपुर से कांगड़ा का वज्रेश्वरी देवी मंदिर और ज्वाला जी का ज्वालामुखी मंदिर भी पालमपुर से अधिक दूर नहीं हैं।

वज्रेश्वरी देवी को नगरकोट कांगड़े वाली माता भी कहा जाता है। वहीं ज्वालामुखी मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक होने के कारण प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। मान्यता है कि इस स्थान पर सती की जिह्वा गिरी थी। यहां चट्टान की दरारों से निरंतर एक ज्वाला प्राकृतिक रूप से निकलती रहती है। नीले रंग की यह ज्वाला ही देवी का रूप मानी जाती है। मंदिर में देवी की प्रतिमा भी विद्यमान है। ज्वाला जी मंदिर का स्वर्ण से मढ़ा गुंबद अत्यंत भव्य है। कृपालेश्वर मंदिर, वीर भद्र मंदिर, कुरुक्षेत्र कुण्ड व गुप्तगंगा कांगड़ा के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कांगड़ा घाटी के बीड़ व बिलिंग स्थान साहसिक खेलों से जुड़े हैं। ये स्थान पालमपुर से मात्र एक-डेढ़ घंटे की दूरी पर स्थित है। इनकी गिनती देश के महत्वपूर्ण पैराग्लाइडिंग केंद्रों के रूप में होती है। इनके अलावा पालमपुर से कुछ चुने हुए ट्रैकिंग मार्ग भी विभिन्न दिशाओं की ओर जाते हैं जिन पर प्रकृति का वैभव ट्रैकिंग के शौकीन लोगों की प्रतीक्षा करता है। पालमपुर से कुछ दूर गोपालपुर वन्यप्राणी उद्यान है। चामुण्डा मंदिर की ओर जाते हुए यह उद्यान भी देखा जा सकता है।

पालमपुर

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्रमुख स्थलों की सैर करने के लिए पालमपुर एक उपयुक्त आधार स्थल है। मानसून को छोड़ कर आप यहां हर मौसम में जा सकते हैं। पालमपुर का निकटतम ब्रॉडगेज रेलवे स्टेशन पठानकोट है। जहां से छोटी लाइन की टॉय ट्रेन द्वारा सैलानी पालमपुर पहुंच सकते हैं। पालमपुर स्टेशन से शहर करीब तीन किलोमीटर दूर है। स्टेशन से टैक्सी द्वारा शहर तक पहुंच सकते हैं। बस मार्ग द्वारा पालमपुर मंडी, चंडीगढ़, धर्मशाला, शिमला व दिल्ली से जुड़ा है। अमृतसर व चंडीगढ़ के हवाईअड्डे यहां के निकटतम हवाई अड्डे हैं।

कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के उद्देश्य से इस मार्ग पर चलने वाली विशेष रेलगाड़ी कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद उठाना उपयुक्त है। यह देश के उन कुछ रास्तों में से एक है जिनपर अब भी छोटी लाइन की गाड़ियों का आनंद लिया जा सकता है। घुमावदार पहाड़ी रास्तों से गुजरने वाली इस ट्रेन की खिड़की से प्रकृति के अनेक रूप देखने को मिलते हैं। पठानकोट से पालमपुर तक चलने वाली यह टाय ट्रेन पर्यटकों के लिए खासतौर पर शताब्दी शैली में चलाई जाती है। सुबह सवा आठ बजे पठानकोट से प्रस्थान कर यह ट्रेन दोपहर एक बजे के लगभग पालमपुर पहुंचती है।

यूं तो मार्ग में अनेक स्टेशन है। किंतु यह ट्रेन केवल कांगड़ा व ज्वालामुखी रोड स्टेशन पर ही रुकती है। पहाड़ों पर खिले रंग-बिरंगे जंगली फूल, दूर तक दिखते धान के खेत, स्लेट पत्थर की छत वाले घर और घाटी के स्थानीय सीधे-सादे लोग टॉय ट्रेन से दिखने वाले दृश्यों में विविध रंग भरते है। मार्ग का आकर्षण ट्रेन गुजरती है तो यात्री बरबस अलावा पहाड़ी नदियों पर बने गोलाकार मोड़ भी सैलानियों को में कांगड़ा घाटी रेलवे का यह सफर बन जाता है

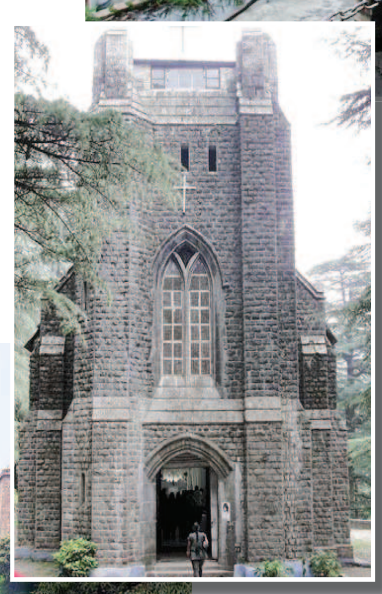

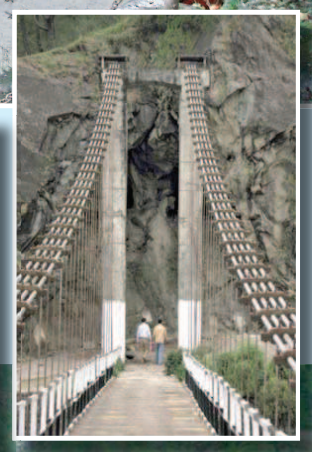

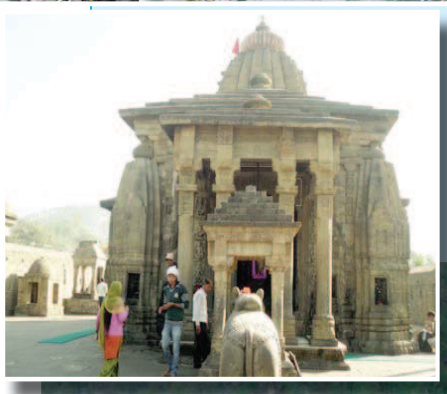

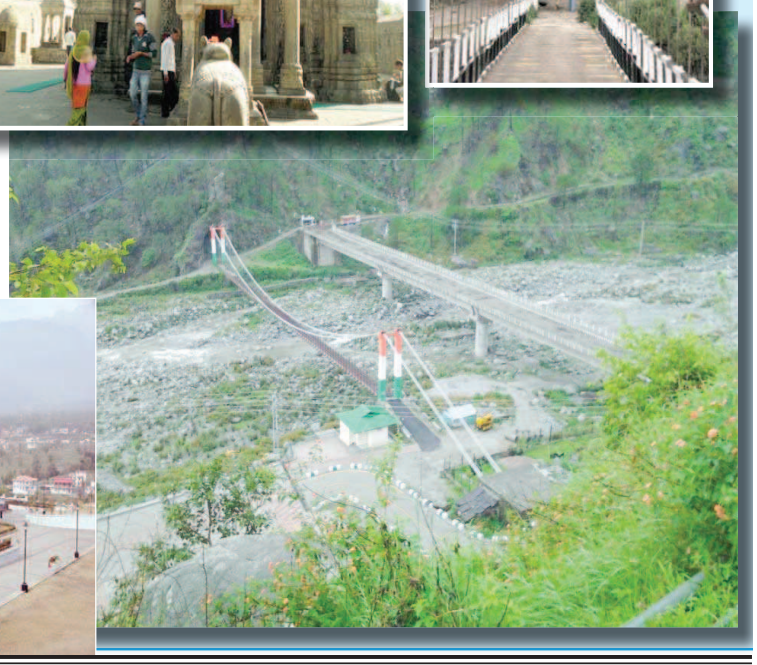

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर अथेर रिज्टा लांच

-स्कूटर को फैमिली-फ्रेंडली बनाया गया

नई दिल्ली । भारत में अथेर एनर्जी ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर अथेर रिज्टा को लॉन्च कर दिया है। इसे रिज्टा एस, रिज्टा झेड और अथेर रिज्टा झेड (3.7केडब्ल्यूएच) वाले तीन वेरिएंट्स में उतारा गया है। इस नए इलेक्ट्रिक स्कूटर को फैमली-फ्रेंडली बनाया गया है। बेस-स्पेक एथर रिज्टा एस की कीमत 1.10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जबकि रिज्टा जेड वेरिएंट की कीमत 1.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। वहीं, टॉप अथेर रिज्टा झेड (3.7केडब्ल्यूएच) मॉडल की कीमत 1.45 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है। आइए जानते हैं इस स्कूटर के बारे में बड़ी बातें। बड़े रियर फ्रेम के कारण, एथर रिज्टा में न केवल स्कूटर सेगमेंट में सबसे बड़ी सीट है, बल्कि इसमें 34-लीटर अंडरसीट स्टोरेज भी है। सीट के नीचे, मॉडल में एक छोटा पॉकेट भी है जिसे चाबियां और बटुए जैसी छोटी वस्तुओं को रखने के लिए डिजाइन किया गया है। एथर रिज्टा एस और रिजटा जेड वेरिएंट 2.9केडब्ल्यूएच बैटरी पैक से लैस हैं, और दोनों मॉडल 123 किमी की सर्टिफाइड रेंज के साथ आते हैं। इसके अलावा इस बैटरी पैक को 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में 6 घंटे 30 मिनट का समय लगता है। वहीं, अथेर रिज्टा झेड (3.7केडब्ल्यूएच) में 3.7केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया गया है। ऐसे में इसकी सर्टिफाइ रेंज 160 किमी है। हालांकि, बड़ी बैटरी के बावजूद, यह मॉडल केवल 4 घंटे और 30 मिनट में 80 प्रतिशत की क्षमता तक चार्ज हो सकता है। एथर रिज्टा के सभी वेरिएंट 3 साल/30,000 किमी स्कूटर और बैटरी वारंटी के साथ आते हैं। एथर बैटरी प्रोटेक्ट के साथ ग्राहक अपनी बैटरी वारंटी को 5 साल/60,000 किमी तक बढ़ा सकते हैं।परफॉर्मेंस एक मामले में बात करें तो नए एथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर की टॉप स्पीड 80 किमी/घंटा है। रिज्टा एस में 7-इंच सेगमेंटेड डिस्प्ले के साथ-साथ एलईडी लाइटिंग और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसी अन्य सुविधाएं दी गई हैं। हालांकि, 13,000 रुपये के प्रो पैक के साथ भी इसमें मैजिक ट्विस्ट, स्किड कंट्रोल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज, लाइव लोकेशन शेयरिंग और व्हाटसऐप प्रीव्यू जैसी सुविधाएं नहीं हैं। दूसरी ओर, रिज्टा झेड के दोनों वेरिएंट्स में ऊपर बताई गई सभी सुविधाओं के साथ-साथ डॉक्यूमेंट स्टोरेज, ट्रिप प्लानर, स्मार्टईको मोड, ब्लूटूथ कॉल एंड म्यूजिक कंट्रोल, ऑटो होल्ड, फॉल सेफ, ऑटो इंडिकेटर कट-ऑफ, ईएसएस, गूगल मैप्स, रियल-टाइम चार्जिंग स्टेटस, और एलेक्सा जैसी अन्य सुविधाएं भी दी गई हैं।

पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल उच्चतम स्तर पर

-फाडा ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2024 में भारत में थोक बिक्री की तरह ही पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल भी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया शीर्ष पर रही। टाटा मोटर्स अपनी बाजार हिस्सेदारी में सुधार किया और हुंडई मोटर इंडिया के साथ अंतर को कम करने में सक्षम रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने विकास पथ पर आगे बढ़ना जारी रखा। उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पीवी रिटेल सालाना 8.45प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 3,948,143 यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 3,640,399 यूनिट थी। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि एफवाय24 पीवी सेगमेंट के लिए एक मील का पत्थर वर्ष था। बढ़ी हुई आपूर्ति गतिशीलता, रणनीतिक विपणन प्रयास, लगातार बढ़ती गुणवत्ता वाली सड़क बुनियादी ढांचे और एसयूवी सेगमेंट में मजबूत मांग, जो अब 50प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है, ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मारुति ने वित्त वर्ष 2023 में 1,490,202 इकाइयों के मुकाबले वित्त वर्ष 24 में 1,605,264 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। हालाँकि कंपनी की बिक्री में वृद्धि हुई, लेकिन इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में 40.94 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 40.66प्रतिशत हो गई। वहीं हयूदै ने रिटेल सेल में 561,371 यूनिट्स बेचीं और टाटा ने एफवाय24 में 538,264 यूनिट्स की बिक्री की। एफवाय23 में हुंडई ने टाटा द्वारा 492,122 इकाइयों की तुलना में 527,481 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। वित्त वर्ष 2023 में 35,359 इकाइयों से वित्त वर्ष 24 में अंतर कम होकर 23,107 इकाई हो गया। महिंद्रा की बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 326,213 इकाइयों से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 424,570 इकाई हो गई।

एक बरगद के पेड़ के नीचे से शुरु हुआ शेयर बाजार....आज 400 लाख करोड़ के पार

पीएम मोदी के शपथ ग्रहण से पहले 25000 का आंकड़ा छूआ

मुंबई ।

9 अप्रैल 2024 को बीएसई सेंसेक्स भी नई ऊंचाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पहली बार 75,000 अंक के पार पहुंच गया। तीन अप्रैल 1979 को सेंसेक्स 100 अंक पर था। 23 जुलाई, 1990 को यह पहली बार 1,000 अंक पर पहुंचा। इसके बाद 5,000 अंक तक पहुंचने में इसके बाद करीब नौ साल का समय लग गया। 2006 में यह पहली बार 10,000 अंक पर पहुंचा और नरेंद्र मोदी के पहली बार देश का प्रधानमंत्री बनने से दस दिन पहले यह 25,000 के आंकड़े को छू गया। वहीं 21 जून, 2021 को बाजार ने 50,000 अंक का आंकड़ा छुआ और अब 75,000 अंक पर पहुंचा है। इसके साथ ही भारत का मार्केट कैप पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पिछले नौ महीने में इसमें 100 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है हाल के सालों में शेयर बाजार में लोगों को दिलचस्पी बढ़ी है। लोग निवेश के परंपरागत विकल्पों को छोड़कर बाजार का रुख कर रहे हैं। देश में डीमैट अकाउंट्स की संख्या में तेजी से बढ़ी है। भारत आज दुनिया के सबसे बड़े शेयर मार्केट्स में शामिल है। उसका शेयर मार्केट 400 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। भारते के शेयर बाजार में दो तरह के इंडेक्स होते हैं। बीएसई सेंसेक्स में टॉप 30 कंपनियां शामिल हैं, जबकि निफ्टी में 50 कंपनियां हैं। माना जाता है कि सेंसेक्स की शुरुआत साल 1850 में एक बरगद के पेड़ के नीचे हुई थी। चार गुजराती और एक पारसी कारोबारी बरगद पेड़ के नीचे बैठक करते थे। धीरे-धीरे दूसरे लोग भी इससे जुड़ते गए और कारवां बढ़ता गया। मुंबई के चर्चगेट इलाके में हार्निमन सर्किल के टाउनहॉल के पास स्थित पेड़ के पास ब्रोकर मिलते थे और शेयर बेचा करते थे। जब सदस्यों की संख्या बढ़ने लगी तब साल 1855 में एक ऑफिस खरीदा गया जिसे आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई के नाम से जाना जाता है। धीरे-धीरे दलाल बंबई के मेडोज स्ट्रीट और एमजी रोड पर जुटते चले गए और यह सड़क दलाल स्ट्रीट के नाम से मशहूर हो गई। साल 1875 में द नेटिव शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स एसोशिएशन की स्थापना हुई। आधिकारिक तौर पर शेयर बाजार की शुरुआत माना जाता है। तब 318 लोगों ने एक रुपये की प्रवेश फीस लेकर इस एसोसिएशन का गठन किया था। यह एशिया का पहला शेयर बाजार था। बीएसई का जनक बॉम्बे के कॉटन किंग के नाम से मशहूर कारोबारी प्रेमचंद रायचंद जैन को माना जाता है। आजादी के 10 साल के बाद 1957 में भारत सरकार ने सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन एक्ट के तहत बीएसई को मान्यता दी। साल 1986 में बीएसई सेंसक्स की शुरुआत हुई जिसका बेस ईयर 1978-79 और बेस प्वाइंट 100 रखा गया था। 1990 से 2023 तक बीएसई में 60 गुना से ज्यादा का उछाल दर्ज की गई। सेंसेक्स ने पहली बार 1000 का स्तर 23 जुलाई 1990 को पार किया था। इसके बाद 16 साल के बाद यानी 6 फरवरी 2006 को सेंसेक्स पहली बार 10,000 अंक पर पहुंचा। 16 मई, 2014 को शेयर बाजार ने पहली बार 25,000 अंक का स्तर छुआ और 21 जनवरी 2021 को 50,000 अंक पर पहुंचा।

थार से मुकाबला के लिए जीप उतारेगी नई कार

-ऑफ-रोडिंग में देगी तगड़ा मुकाबला

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा ने एक से बढ़कर एक एसयूवी पेश कर मार्केट में अपनी धाक जमाई है। महिंद्रा थार एक ऐसी एसयूवी है जिसने न सिर्फ अपने आइकॉनिक डिजाईन, बल्कि अपनी जबरदस्त ऑफ रोड क्षमताओं की बदौलत भी मार्केट में अपने पैर जमा लिए हैं। मारुती जिम्नी और फोर्स गुरखा के आने के बाद भी महिंद्रा थार का जलवा कम नहीं हुआ है। लेकिन अमेरिकन कार निर्माता कंपनी जीप ने फैसला किया है कि वो थार का मुकाबला करने के लिए अपनी नई कार पेश करेगी। जीप की ऑफ रोड एसयूवी रैंगलर को दुनिया भर में काफी पसंद किया जाता है। रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी अपनी इस दमदार ऑफ रोड एसयूवी का मिनी वेरिएंट भारत में पेश कर सकती है। जीप की इस नई कार में आपको रैंगलर से मिलता-जुलता ही डिजाईन देखने को मिलेगा। जीप की मिनी रैंगलर में आपको दमदार ऑफ-रोड फीचर्स भी देखने को मिलेंगे। जीप की मिनी रैंगलर भी थार की तरह ही बॉडी ऑन फ्रेम चेसिस पर आधारित होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो जीप की मिनी रैंगलर पेट्रोल के साथ-साथ डीजल वेरिएंट में भी पेश की जाएगी। जीप की मिनी रैंगलर में आपको 4 व्हील ड्राइव ऑप्शन भी मिलेगा और साथ ही बेहतर ऑफ रोड प्रदर्शन के लिए कार में डिफरेन्शल लॉक का फीचर भी होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार थार का मुकाबला करने आ रही जीप रैंगलर को एक पारिवारिक कार के तौर पर प्लान किया जा रहा है। इसका सीधा मतलब ये है कि कार में आपको कम्फर्ट से संबंधित काफी आकर्षक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। जीप की मिनी रैंगलर में आपको बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ-साथ वायरलेस चार्जिंग, इलेक्ट्रिक एडजस्ट सीट, सीट वेंटिलेशन, पैनारोमिक सनरूफ और ड्यूल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल एसी जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं। बता दें कि भारत में पिछले कुछ समय के दौरान एसयूवी की मांग काफी तेजी से बढ़ी है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद , सेंसेक्स 75 हजार के रिकार्ड स्तर से आगे निकला

निफ्टी भी 111.05 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी आईटीसी, कोटक बैंक, एसबीआई, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयरों में आये उछाल से आई है। इस दौरान बाजार 75 हजार के रिकार्ड स्तर को पार कर गया। वहीं गत दिवस भी बाजार पहली बार 75,000 के स्तर के ऊपर पहुंचा था पर बाद में ये नीचे का गया था। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.89 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक करीब 0.47 फीसदी बढ़कर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई निफ्टी भी 111.05 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी बढ़त के साथ ही 22,753.80 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों का ध्यान आज आने वाले फेड के बयान और अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा पर केंद्रित रहा। इसके अलावा, चीन की क्रेडिट रेटिंग में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों से सुबह बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त के साथ खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 200 अंक ऊपर आकर 74900 के पास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 22700 के ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो डाओ 300 अंक उछला जबकि नैस्डैक 52 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतें उछली हैं। दुनिया भर के बाजारों में धातु की कीमतें बढ़ी हैं। इस दौरान महंगाई दर करीब 3.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। इससे पहले गत दिवस बाजार मुनाफावूली के कारण गिरावट पर बंद हुआ था हालांकि इससे पहले सेंसेक्स 75,000 अंक को पार कर 75,124 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। गत दिवस कारोबार में व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.47 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ था। ईद के अवसर पर कल 11 अप्रैल को बाजार बंद रहेगा।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें पहले ही तरह ही बनी हुई हैं हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव बरकरार है। इस सप्ताह लगातार तीसरे दिन सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,500 रुपये और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में बढ़त दर्ज की गयी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 98 रुपये बढ़कर 71,438 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 145 रुपये की तेजी के साथ 71,485 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 71,505 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,416 रुपये के भाव पर निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने आज 71,739 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। वहीं दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी आज बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 221 रुपये बढ़कर 82,671 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 371 रुपये बढ़कर 82,821 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 82,844 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंचा जबकि दिन का निचला स्तर 82,671 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। गत दिवस ये 83,038 रुपये प्रति किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कामेक्स पर सोना 2,372.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,362.40 डॉलर था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.27 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 27.98 डॉलर था।

देश में कम हुई यूनीकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या.....बायजू हुआ बाहर

नई दिल्ली।

देश में स्टार्टअप्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवाओं के बीच में अपने कारोबार करने को लेकर रुझान बढ़ता जा रहा है। हालांकि इस बीच एक खबर है कि देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या घट गई है। अब देश में यूनीकॉर्न स्टार्टअप्स घटकर 67 रह गए है। बीते 4 सालों में पहली बार ऐसा हुआ है, जब यूनिकॉर्न की संख्या में कमी आई है। वे स्टार्टअप्स जिनका वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर से अधिक होता है, उन्हें यूनिकॉर्न कहा जाता है। हालांकि भले ही देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या घटी है, लेकिन रिपोर्ट में एक पॉजिटिव आकंड़ा भी है, इस आंकड़े के अनुसार पूरी दुनिया में भारत अब भी यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र है। रिपोर्ट में एडटेक स्टार्टअप बायजू को लेकर खबर है, बायजू अब यूनिकॉर्न नहीं रहा है, बायजू की वैल्यूएशन में आई कमी के कारण यूनिकॉर्न कैटेगरी से बाहर हो गया है। एक साल में ही बायजू की वैल्यूएशन में काफी गिरावट हुई है, एक साल पहले इसका वैल्यूएशन जहां 22 अरब डॉलर से भी ज्याजा था वहां अब 1 अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। रिपोर्ट पर नजर भारत के सबसे बड़े यूनीकॉर्न में स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम 11 का नाम पहले है। इन दोनों की वैल्यूएशन 8-8 अरब डॉलर है। इनके बाद 7.5 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ रोजरपै है।

इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट

-गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरिया में पहली तिमाही में इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर मार्च तक इलेक्ट्रिक व्हीकल का रजिस्ट्रेशन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 34,186 से गिरकर 25,550 तक आ गया। ऐसा पहली बार हुआ है जब इलेक्टिक व्हिकल की बिक्री में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, पहली तिमाही में गैसोलीन हाइब्रिड वाहन की बिक्री एक साल पहले के 68,249 से बढ़कर 99,832 इकाई हो गई। हालांकि मार्च तिमाही में गैसोलीन से चलने वाले वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 2,41,742 से 19 प्रतिशत गिरकर 1,96,472 इकाई रह गई।वहीं, डीजल कारों की मांग में भी गिरावट देखने को मिली है। डीजल कार की बिक्री में 56 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि ऊंची कीमतों की वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री पूरे वर्ष सुस्त बनी रह सकती है। हाल ही में इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के मामलों से लोग घबराए हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरिया में साल 2020 और 2021 के दौरान पार्किंग या चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के कई मामले सामने आए थे।

कुछ महीने पहले, हुंडई मोटर ने 13 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर वाहनों में आग लगने के बाद वैश्विक स्तर पर बेची गई 77,000 से अधिक कोना ईवी को वापस बुला लिया था। हुंडई और उसके बैटरी आपूर्तिकर्ता एलजी केम वापस बुलाने के कारणों को लेकर मतभेद में थे।

हालांकि, बैटरी सेल निर्माता ने बैटरियों में गड़बड़ी से साफ़ इंकार कर दिया था। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की कमी भी बड़ी मुसीबत बन रही है। इलेक्ट्रिक कारों की अधिक कीमत और वाहन लोन पर बढ़ती ब्याज दरें भी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में बाधा बन रही हैं। वहीं, लोग चीन में बनी इलेक्ट्रिक कारों की क्वालिटी को लेकर भी विरोध जाता रहे हैं। कुछ महीने पहले दक्षिण कोरिया में इलेक्ट्रिक कारों पर सब्सिडी को कम किया गया था जिसका सबसे बड़ा असर टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारों की सेल पर दिखा।

सीरियस इंडिया एयरलाइंस ने अब भारत के एविएशन सेक्टर में रखा कदम

- स्पाइसजेट के पूर्व चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर ने किया लॉन्च

नई दिल्ली।

'सीरियस इंडिया एयरलाइंस' ने अब भारत के एविएशन सेक्टर में कदम रख लिया है। कंपनी ने एयर चार्टर बिजेनस की दुनिया में एंट्री की है। सीरियस इंडिया एयरलाइंस ने दुबई स्थित ट्रांसवर्ल्ड ग्रुप के ऐरावत एविएशन के साथ पार्टनरशिप की है। इसे स्पाइसजेट के पूर्व चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अरुण कश्यप ने लॉन्च किया है। कश्यप ने विमानन उद्योग में स्पाइसजेट के अलावा, जेट एयरवेज, फ्लाई दुबई, ओमान एयर, एयर इंडिया में प्रमुख पदों पर अहम भूमिका निभाई है।

एक विज्ञप्ति के मुताबिक सीरियस इंडिया एयरलाइंस का लक्ष्य फाइनेंशियल ईयर के अंत तक लगभग एक दर्जन टॉप 9-सीटर से 100-सीटर चार्टर एयरक्राफ्ट जोड़कर अपने बेड़े का और ज्यादा विस्तार करना है। सिरियस इंडिया एयरलाइंस ऐरावत एविएशन के सहयोग से, शुरुआत में हावकेयर 4000 एयरक्राफ्ट के जरिए से उड़ानें संचालित करेगी, जबकि यह आने वाले महीनों में अपने बेड़े को बड़ा आकार देने तीन विमानों तक विस्तारित करने की योजना बना रही है। ज्वाइंट वेंचर का लक्ष्य भारत और ग्लोबल लेवल पर चार्टर बिजनेस, आंशिक स्वामित्व के क्षेत्र में वन-स्टॉप सोल्यूशन प्रोवाइड करना है।

ऐरावत विशेष लक्जरी प्राइवेट जेट सर्विस प्रदान करता है। यह पहले से ही मध्य पूर्व, यूरोप, अफ्रीका और एशिया में मौजूद है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी से भारत को हो रहा फायदा

-कई देश कर्ज के कारण स्थायी विकास संकट से जूझ रहे

जेनेवा ।

विकासशील देशों के बड़े हिस्से के विपरीत दक्षिण एशिया, खासकर भारत में निवेश मजबूत बना हुआ है। क्योंकि बहुराष्ट्रीय कंपनियां इसे आपूर्ति श्रृंखला के लिए वैकल्पिक विनिर्माण आधार के रूप में जानती हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी से भारत को फायदा हो रहा है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं की आपूर्ति श्रृंखला और विविधीकरण रणनीतियों के संदर्भ में देश को एक वैकल्पिक विनिर्माण आधार के रूप में देखते हैं। यह बात संयुक्त राष्ट्र ने कही। वित्तपोषण-2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और कुछ अन्य देशों के विपरीत समग्र रूप से विकासशील दुनिया चौंकाने वाले कर्ज के बोझ और आसमान छूती उधारी लागत के कारण स्थायी विकास संकट का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है, ये विकासशील देशों को उनके सामने आने वाले संकटों का जवाब देने से रोकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने कहा कि हम एक चौराहे पर हैं और समय खेत म होता जा रहा है। नेताओं को बयानबाजी से आगे बढ़ना चाहिए और अपने वादों को पूरा करना चाहिए। पर्याप्त वित्तपोषण के बिना 2030 लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट जारी होने पर उन्होंने कहा कि हम एक सतत विकास संकट का सामना कर रहे हैं, जिसमें असमानताओं, मुद्रास्फीति, ऋण, संघर्ष और जलवायु आपदाओं ने योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बनाए गए वैश्विक वित्तीय संस्थान अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं और समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए तत्काल सुधार की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिक्स देशों द्वारा बनाया न्यू डेवलपमेंट बैंक 2022 और 2026 के बीच अपने 30 फीसदी कर्ज राष्ट्रीय मुद्राओं में जारी करने की योजना बना रहा है, जिसमें भारतीय रुपय-मूल्य वाले बॉन्ड भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास वित्तपोषण अंतर को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर वित्त जुटाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है, जो अब सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर हो जाने का अनुमान है, जो कोविड-19 महामारी से पहले 2.5 ट्रिलियन डॉलर था, उससे ज्यादा है। इसमें चेतावनी दी गई है कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु आपदाएं और वैश्विक जीवन-यापन संकट ने अरबों लोगों को प्रभावित किया है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विकास लक्ष्य प्रभावित हुए हैं।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन बनी IndiGo, शेयर में जबरदस्त उछाल

बिजनेस डेस्क:

भारतीय विमानन सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंडिगो एयरलाइन्स ने इतिहास रच दिया है। अब इंडिगो एयरलाइन्स दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई है। उसने मार्केट कैप के मामले में साउथवेस्ट एयरलाइन्स को पीछे छोड़ दिया है। इंडिगो एयरलाइन्स का मार्केट कैप अब 17.6 अरब डॉलर हो चुका है। साउथवेस्ट एयरलाइन्स का मार्केट कैप 17.3 अरब डॉलर रह गया है। फिलहाल डेल्टा एयरलाइन्स 30.4 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया में पहले नंबर पर और रयान एयर 26.5 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन है। कंपनी के शेयर बुधवार को एनएसई और बीएसई पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे।

6 महीने में 50फीसदी ऊपर जा चुके हैं शेयर

इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर पिछले 6 महीने में लगभग 50 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। फिलहाल इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, एयर चाइना इस लिस्ट में 14.5 अरब डॉलर के साथ 5वें नंबर पर, सिंगापुर एयरलाइन्स 14.3 अरब डॉलर के साथ 6वें, यूनाइटेड एयरलाइन्स 14.3 अरब डॉलर के साथ 7वें और टर्किश एयरलाइन्स 13.2 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ 8वें नंबर पर रही है।

एक साल में 10 एयरलाइन्स को पीछे छोड़ा

पिछले एक साल में इंडिगो का प्रदर्शन शानदार रहा है। ग्लोबल मार्केट कैप में एयरलाइन पिछले 12 महीनों में 10 स्थान ऊपर चढ़ चुकी है। पिछले साल मार्च में इंडिगो का स्थान 14वां था। मॉर्गन स्टैनली ने भी कंपनी के स्टॉक के आगे बढ़ने का अनुमान जताया है। इंडिगो इस बीच अपने ऑपरेशंस भी मजबूत करती जा रही है। बुधवार को कंपनी के शेयर एनएसई पर 4 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर 3795 प्वॉइंट्स पर पहुंच गए थे। उसकी प्रति पैसेंजर कमाई भी बढ़ती जा रही है।

पंजाब की पारी का आकर्षण रही शशांक और आशुतोष की पारियां

मोहाली । सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स का मुकाबला आईपीएल 2024 में बेहद रोमांचक रहा। इस मुकाबले में एक पंजाब की ओर से शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा के तूफान से एक समय टीम के हाथों में जीत आ गयी थी। टीम को 24 गेंद पर 67 रन बनाने की जरूरत थी और उसके सिर्फ 4 विकेट बाकी थे। ऐसे में शशांक ओर आशुतोष ने आक्रमक बल्लेबाजी कर मैच अपनी ओर मोड़ दिया। इन दोनो ने ही अंतिम 24 गेंद पर 64 रन बनाये। सनराइजर्स हैदराबाद ने ये मैच 2 रन से जीता। शशांक ने 25 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की सहायता से 46 रन बनाये जबकि आशुतोष ने 15 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की सहायता से नाबाद 33 रन बनाये। आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी की पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। पावरप्ले के पहले ही टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाज ट्रेविस हेड, एडेन मार्करम, अभिषेक शर्मा पैवेलियन लौट गये। केवल 39 रन पर टीम ने 3 विकेट खो दिये। इम्पैक्ट प्लेयर राहुल त्रिपाठी भी विफल रहे। राहुल 11 रन बनाकर आउट हुए हालांकि नीतीश कुमार रेड्डी ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला। केवल 64 रन पर 4 विकेट गंवाने वाली इस टीम को नीतीश ने 182 के स्कोर तक पहुंचाया।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां आईपीएल 2024 में अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमें इस सत्र में विफल रही हैं। दोनो ने ही अब तक एक-एक मैच ही जीता है। आरसीबी पांच में से चार मैच हारी है। आरसीबी की हार का कारण उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। बल्लेबाजी में विराट कोहली ने अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैच के सबसे बड़े दावेदार हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। इसके अलावा गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मुम्बई की हालत भी ठीक नहीं है। उसे शुरुआती चार मैचों में से केवल एक में जीत मिली है। वह अंकतालिका में आरसीबी से एक स्थान ऊपर है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिल सकता है। उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा है।वहीं आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों ने भी निराश किया है। कप्तान फाफ डु प्लेसी 109 रन, ग्लेन मैक्सवेल 32 और कैमरन ग्रीन ने अबतक 68 रन ही बनाये हैं केवल विराट ही अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक लगाकर 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका । विराट ने इसी मैदान पर एकदिवसीय विश्वकप में शतक लगाया था और उसी प्रदर्शन को वह दोहराना चाहेंगे। गेंदबाजी में मैक्सवेल ने चार विकेट ले चुके हैं पर मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं। आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरूआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से विपरीत परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में वह आक्रामक रुख अपनाकर आरसीबी को हराने के इरादे से उतरेगी। इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना होगा। शीर्षक्रम में अबतक ईशान किशन और रोहित शर्मा ने ही रन बनाये हैं पर मध्यक्रम विफल रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या का भी प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले मैच में जीत से हालांकि उनका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उन्हें इस मैच में मिलेगा। पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव की वापसी हुई थी पर वह रन नहीं बना पाये थे। इस मैच् में वह भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्रेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

धोनी ने अफगानिस्तान के क्रिकेटर गुरबाज को बल्ला भेंट किया

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेल रहे अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को एक बल्ला भेंट किया है। गुरबाज इस बल्ले को पाकर बेहद खुश हैं क्योंकि इसमें धोनी के हस्ताक्षर हैं। गुरबाज सोमवार को आईपीए 2024 में चेपॉक में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल नहीं पाए थे। इस मैच के बाद वह धोनी से मिले थे। गुरबाज ने ड्रेसिंग रूम में धोनी के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर जारी की है। एक तस्वीर में गुरबाज को मुस्कुराते हुए देखा गया क्योंकि धोनी ने उन्हें अपने हस्ताक्षर वाला बल्ला जो दिया है। गुरबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में धोनी की कही बातों को साझा किया। अतीत के बारे में चिंता करना बंद करो। भविष्य के बारे में सोचना बंद करो। बस वर्तमान में जियो और खुश रहो। गुरबाज को अभी तक आईपीएल 2024 में एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। आईपीएल के इस संस्करण में केकेआर को पहली हार धोनी की टीम सीएसके से ही मिली है। केकेआर 6 अंकों के साथ आईपीएल में दूसरे जबकि सीएसके छह अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

धवन बोले, हम शुरुआती ओवरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण हारे

मोहाली । पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में दो रनों से मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि हम शुरुआती ओवरों से लाभ नहीं उठा पाये। इस मैच में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया पर इसके बाद भी टीम 2 रनों से हार गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए पंजाब ने सनराइजर्स हैदराबाद की आधी टीम 100 रन पर ही पेवेलियन भेज दी पर नितीश रेड्डी ने अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को 182 रनों तक पहुंचा दिया। . इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम भी लड़खड़ा गयी पर शशांक नाबाद 46 रन और आशुतोष नाबाद 33 रन ने काफी अच्छा प्रयास किया। धवन ने कहा, ''शंशाक और आशुतोष ने अच्छी पारियां खेलीं। हम पहले छह ओवरों का फायदा नहीं उठा सके और यहीं से मैच हमारे हाथ से फिसल गया।'' वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, ''यह अच्छा मैच रहा। उन्होंने शुरू में काफी अच्छी गेंदबाजी की। हमने भी 182 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया और फिर इसका बचाव किया।''

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत को सिंधु, लक्ष्य ओर प्रणय से रहेंगी उम्मीदें

मुम्बई ।

चीन में होने वाले बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय भी पदक दावेदार होंगे। इस टूर्नामेंट में सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ियों की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उन्हें कई बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भाग नहीं लेगी। ऐसे में भारत को पदक की उम्मीदें सिंधु के अलावा लक्ष्य और प्रियांशु राजावत पर रहेंगी।

सिंधु को इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन यूफेई, ताइ जु यिंग, अकाने यामागुची और ही बिंगजियाओ जैसी शीर्ष खिलाड़ियों से खेलने का अवसर मिलेगा। सिंधु अपना पहला मुकाबला मलेशिया की विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ करेंगी। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने पर उन्हें चीन की छठी वरीय हेन युई से खेलना पड़ेगा। वहीं तीसरे दौर में सिंधु का मुकाबला जापान की यामागुची या थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से हो सकता है। वहीं भारत की ही आकर्षी कश्यप को पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से खेलना है।

वहीं पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में शीर्ष वरीय शी युकी से खेलना है जबकि सातवें वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय अपना अभियान ल्यू गुआंग झू के खिलाफ शुरू करेंगे। इसके अलावा विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का मुकाबला विश्व दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय एंथोनी गिनटिंग से होगाहै। युवा भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से भिड़ना है। युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा कृष्ण प्रसाद गारगा और साई प्रतीक के पुरुष युगल में चुनौती पेश करेंगे।

महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रतिवी की इंडोनेशिया की जोड़ी से खेलना है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए अभ्यास कर रही है भारतीय महिला हॉकी टीम : क्रूज

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला हॉकी टीम के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रूज ने कहा है इस साल टीम को कई बड़ी टीमों से खेलना है और इसी को देखते हुए आजकल टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के शिविर में अभ्यास कर रही है। इस शिविर में 33 सदस्यीय खिलाड़ी शामिल हैं और ये शिविर अगले माह 16 मई तक चलेगा।

इसके अलावा टी अन्य कोचिंग शिविरों और अंतरराष्ट्रीय दौरों में भी शामिल होगी। भारतीय टीम इस साल एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन के साथ एंटवर्प और लंदन में भी खेलेगी। हरमन क्रूज ने कहा कि 14वीं सीनियर हॉकी महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आधार पर देश भर से हमने जिन सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों को शिविर में बुलाया है उन्हीं में से टीम का चान होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह कोच और चयनकर्ताओं ने भारतीय महिला हॉकी टीम को शीर्ष तक ले जाने की क्षमता वाले 33 खिलाड़ियों का चयन किया है। ऐसे में अब हमारे पास एक काफी अच्छी टीम है।

टीम इस प्रकार है:-

गोलकीपर:- सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसारी सोलंकी और माधुरी किंडो।

डिफेंडर:- निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री और प्रीति।

मिडफील्डर:- सलीमा टेटे, मरीना लालरामनघाकी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, ज्योति, एडुला ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, अजमीना कुजूर और निशा।

फॉरवर्ड :- मुमताज खान, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया और रुतुजा दादासो पिसल।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल हसरंगा की जगह विजयकांत को शामिल किया

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा की जगह श्रीलंका के ही लेग स्पिनर विजयकांत व्यासकांत को टीम में शामिल किया है। विजयकांत ने हालांकि श्रीलंका की ओर से अब तक केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह 50 लाख रुपये के आधार मूल्य पर सनराइजर्स से जुड़े हैं। आईपीएल प्रबंधन ने कहा, ''सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 के बाकी मुकाबलों के लिए हसरंगा की जगह विजयकांत को अनुबंधित किया है।'' सनराइजर्स ने हसरंगा को डेढ़ करोड़ रुपये में खरीदा था पर बाएं पैर की एड़ी में दर्द के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। हसरंगा इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेलते थे। 2022 सत्र में उनका प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने 7.54 रन प्रति ओवर के हिसाब से 26 विकेट लिए थे पर 2023 में उन्होंने केवल आठ मैच खेले और 8.9 रन प्रति ओवर की गति से रन देते हुए नौ विकेट लिए। अब तक इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 में से तीन मैच जीते हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सनराइजर्स ने 277 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था।

टी20 विश्व कप के शिवम की दावेदारी मजबूत हुई : आकाश

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल के इस 17 वें सत्र में सीएकसके के ऑलराउडर शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन किया है। चोपड़ा के अनुसार शिवम ने अपने प्रदर्शन से जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है। साथ ही कहा कि अब वह विश्वकप के लिए उनकी अनदेखी नहीं कर सकते हैं। चोपड़ा ने कहा कि केकेआर के खिलाफ जिस प्रकार से इस बल्लेबाज ने 28 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। उससे उन्होंने सभी का ध्यान खींचा है। चोपड़ा ने कहा, मुझे विश्वास है कि अब विश्वकप के लिए शिवम की अनदेखी कोई नहीं कर पायेगा। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उस पर चयनसमिति को ध्यान देना ही होगा। वहीं कई लोगों का मानना है कि शिवम को खेलने की आजादी टीम ने दी है जिससे वह आक्रामक शॉट लगा रहे हैं पर अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेल में काफी दबाव होतो है। इसलिए इस प्रकार से बल्लेबाजी नहीं की जा सकती है। वहीं चोपड़ा ने केकेआर के खिलाफ शिवम की पारी को लेकर कहा कि भारतीय टीम विश्वकप में इस बल्लेबाज की आक्रामक बल्लेबाजी से लाभ उठा सकती है। उन्होंने कहा, आंद्रे रसेल सहित इस मैच में खेलने वाले सभी लोगों को लगा कि इस पिच पर छक्के लगाना बहुत मुश्किल है और यह बहुत बड़ा मैदान है पर शिवम को खेलते हुए देखकर ऐसा नहीं लगा। उन्होंने सही गेंदें चुनी और उन्हें मारा। वह स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाजों पर भी छक्के लगाता है।

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में सबसे आगे

नई दिल्ली । आईपीएल के बाद जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में ऋषभ पंत सबसे आगे हैं। ऋषभ ने जिस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रन बनाने के साथ ही विकेटीपिंग में भी अपना कौशल दिखाया है उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। ऋषभ ने अब तक दो अर्धशतक लगाने के साथ ही एक मैच में कोलकाता के खिलाफ एक ओवर में लगाए 28 रन बनाये थे। इसके अलावा विकेटकीपिंग करते हुए उन्होंने बेहतरीन कैच भी पकड़े हैं। इस बल्लेबाज ने करीब 14 माह बाद मैदान में वापसी करते हुए दिखाया है कि उसका अंदाज अब भी पहले वाला है। इसके पीछे उसका अपनी फिटनेस पर ध्यान देना रहा है। वहीं केएल राहुल और ईशान किशन के अलावा युवा ध्रुव जुरेल भी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए दौड़ में हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त रुप से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा। ये 1 जून से 29 जून के बीच होगा। इसके लिए सभी टीम को 15 मई तक खिलाड़ियों के नाम आईसीसी के पास भेजने होंगे। टीम इंडिया के चयन के लिए मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली कमेटी की बैठक इस माह के अंत में हो सकती है

सनराइजर्स के ऑलराउंडर नीतीश ने बनाया रिकार्ड

50 से अधिक रन , एक विकेट और एक कैच लेने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बने

मोहाली । सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। नीतीश ने इस मैच में खेल के सभी क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जहां बल्लेबाजी के दौरान 37 गेंदों में शानदार 64 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी के दौरान जितेश शर्मा का विकेट लिया और प्रभसिमरन सिंह को कैच आउट किया। इस प्रकार वह आईपीएल में 50 से अधिक रन बनाने, एक विकेट लेने और एक आईपीएल मैच में कैच लेने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी भी बन गए है। 20 साल और 319 दिन की उम्र में वह आईपीएल में अर्धशतक लगाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले प्रियम गर्ग ने 19 साल और 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। जीत के बाद नीतीश ने अपने प्रदर्शन पर खुशी जतायी और कहा कि मेरे लिए यह मेरी टीम और मेरे लिए एक बड़े योगदान की तरह है। तेज गेंदबाज वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, मैं उनसे मुकाबला नहीं करना चाहता था। मुझे पता था कि स्पिनर ऐसा करेंगे। इसलिए मैं उन पर हमला करना चाहता था, मैंने बस वही किया।

टी20 विश्व कप के लिए विराट को शामिल करना जरुरी : लारा

बेंगलुरु ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा ने कहा है कि विराट कोहली को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। लारा ने कहा कि विराट को धीमे स्ट्राइक-रेट के नाम पर बाहर किये जाने की जो बातें की जा रही हैं। उनका कोई मतलग मुझे नजर नहीं आता है क्योंकि स्ट्राइक-रेट ही सब कुछ नहीं है। विराट की उपयोगित उससे बढ़कर है। वह अंत तक बल्लेबाजी कर रन बनाने के साथ ही पारी को संभालने में सक्षम हैं। विराट पर आईपीएल में धीमें स्ट्राइक-रेट के आरोप लगे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक बनाया। लारा ने कहा कि स्ट्राइक-रेट बल्लेबाजी क्रम पर पर निर्भर करता है, और एक सलामी बल्लेबाज के लिए 130-140 का स्ट्राइक-रेट खराब नहीं कहा जा सकता है। वहीं अगर आप मध्यक्रम में आ रहे हैं तो आपको 150 या 160 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की जरुरत होती है। जैसा कि आपने आईपीएल के इस सत्र में देखा है। बल्लेबाज एक पारी के अंतिम ओवरों में ही 200 के स्ट्राइक-रेट से रन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोहली जैसा सलामी बल्लेबाज आम तौर पर 130 के स्ट्राइक-रेट से पारीि शुरुआत करता है और फिर उसके पास 160 की स्ट्राइक रेट के साथ पारी समाप्त करता है जो कम नहीं है। लारा ने कहा कि टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए कोहली और रोहित के साथ पारी की शुरुआत सबसे बेहतर रहेगी हालांकि एक अनुभवी खिलाड़ी के साथ एक युवा को भी उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अनुभवी खिलाड़ी अगर जल्दी आउट हो जाते है तो इससे टीम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिए मैं रोहित और विराट में से एक को शीर्ष क्रम और दूसरे को तीसरे क्रम पर इस्तेमाल करना चाहूंगा। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को लेकर उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम का चयन होना है और ऐसे में उन्हें भी अवसर दिया जा सकता है। पारी की शुरुआत करते हुए उसने पिछले कुछ समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

मयंक को अगले एक सप्ताह के लिए आराम मिला

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मंयक यादव पेट की मांसपेशियों में आये खिंचाव के कारण अभी मैदान में नजर नहीं आयेंगे। मयंक को इस कारण पेट में तेज दर्द हो रहा है। इसी कारण वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने तीसरे मैच में भी एक ओवर ही गेंदबाजी कर पाये थे। टीम प्रबंधन के अनुसार अभी उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया है। सुपर जायंट्स ने अपने एक बयान में कहा कि मयंक के पेट के निचले हिस्से में सूजन बनी हुई है। इसलिए एहतियात के तौर पर हम अगले सप्ताह तक उन्हें आराम दे रहे हैं। उसके बाद डॉक्टरों की सलाह के बाद ही वह मैदान में उतरेंगे। साथ ही कहा कि हम उनकी शीघ्र वापसी की कामना करते हैं। मयंक का बाहर होना टीम के लिए करार झटका है क्योंकि अपने पहले दोनो मैच में इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंदें फेंकीं थीं। इसके अलावा उन्होंने दोनो ही मैचों में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से ही मयंक को भारतीय टीम में लेने की भी मांग उठ रही है। लखनऊ को 12 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना अपना अगला मैच खेलना है जिसमें उन्हें मयंक की कमी महसूस होगी। लखनऊ के लिए इस सीजन की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी जब पहले ही मुकाबले में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के हाथों 20 रन से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद टीम ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर वापसी की।

वेलस्पन फाउंडेशन को उसके 'वेल शिक्षा' प्रोजेक्ट के लिए कैबिनेट मंत्री कनुभाई देसाई ने सम्मानित किया

वापी। वेलस्पन फाउंडेशन अपनी सामाजिक विकास प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है, जिसने बालिथा कोलीवाड प्राइमरी स्कूल में अपनी "वेल शिक्षा" पहल के लिए सराहना हासिल की है। यह परियोजना पूरे देश में शिक्षा में क्रांति लाती है, इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2023-24 में गुजरात में लर्निंग आउट कम प्रोजेक्ट, करियर काउंसलिंग, डिजिटल क्लास, पैरा टीचर, स्किल ऑन व्हील, बाला पेंटिंग, स्वच्छता अभियान, स्वच्छ पेय सहित विभिन्न गतिविधियां की गईं। जल, विज्ञान स्वयं सीखने की किताबें और किट, किचन गार्डन और स्कूल प्रवेश उत्सव आयोजित किए गए जिससे कुल मिलाकर 1 लाख से अधिक स्कूली छात्रों को लाभ हुआ। यह प्रतिष्ठित सम्मान गुजरात सरकार के वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स कैबिनेट मंत्री माननीय श्री कनुभाई देसाई द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह का आयोजन स्कूल की नई इमारत के उद्घाटन के साथ हुआ, जो इसकी शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वेलस्पन फाउंडेशन के वेलस्पिन फाउंडेशन नामक प्रतिष्ठित सम्मान को स्वीकार करने के लिए वेलस्पन फाउंडेशन के प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कनुभाई देसाई ने अपने संबोधन में सामाजिक विकास में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

वेलस्पन फाउंडेशन ने 2018 से बलीथा कोलीवाड प्राइमरी स्कूल के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस प्राइमरी स्कूल में वेलस्पन फाउंडेशन ने स्मार्ट क्लासरूम बनाए हैं, जो बच्चों की पढ़ाई में काफी उपयोगी साबित होते हैं। इस स्कूल में लागू किए गए रेमेडियल लर्निंग आउटकम प्रोजेक्ट ने शैक्षणिक परिणामों को और बढ़ावा दिया है, और इन अच्छे परिणामों से छात्रों के सीखने के स्तर में भी वृद्धि हुई है।

वेलस्पन फाउंडेशन ने छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए इस स्कूल में वोकेशनल स्किल्स ऑन विल्स प्रोजेक्ट शुरू किया है। छात्रों की यह तैयारी उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। वेलस्पन फाउंडेशन ने इस स्कूल में बुनियादी सुविधाएं भी प्रदान की हैं। 2022 में, वेलस्पन फाउंडेशन ने स्कूल की चारदीवारी की पेंटिंग करके स्कूल को नया रूप दिया है। इस स्कूल के नये भवन को उद्घाटन के दिन रोशनी से सजाया गया था।

कार्यक्रम में स्कूल प्रशासकों ने वेलस्पन फाउंडेशन की सेवा, शिक्षा के प्रति अटूट समर्थन और समर्पण की सराहना की। वेलस्पन फाउंडेशन की "वेल शिक्षा" परियोजना शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने के उसके दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

सूरत जिला पंचायत-आयुर्वेद शाखा ने गंगाधरा, पलसाणा में नि:शुल्क होम्योपैथिक निदान उपचार मेगा शिविर और योग प्रदर्शनी का आयोजन किया

सूरत। होम्योपैथिक पद्धति के आविष्कारक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिन यानी विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर, निदेशक आयुष कार्यालय, गांधीनगर और "सूरत जिला पंचायत-आयुर्वेद शाखा" द्वारा संयुक्त रूप से सूरत जिले के सभी होम्योपैथिक डॉक्टरों द्वारा जिला आयुर्वेद अधिकारी श्री डॉ. काजलबेन मधिकर की उपस्थिति में "श्री लक्ष्मी" में आयोजित किया गया। पलसाना में चंदाबापू नकलंक सेवा गधारा (अलखधाम) में नि:शुल्क होम्योपैथिक निदान उपचार मेगा शिविर एवं योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस शिविर में निदान उपचार

शिविर के 334 लाभार्थी, होम्योपैथी अभियान के 670 लाभार्थी, लू निवारक के 210 लाभार्थी, डेंगू निवारक के 443 लाभार्थी एवं योग के 42 लाभार्थी शामिल हुए।

इस शिविर में चिकित्सा अधिकारियों ने त्वचा रोग, बाल रोग, स्त्री रोग, जोड़ रोग, जीवन शैली विकार, सामान्य रोग आदि का निदान एवं उपचार किया। साथ ही लोगों को होम्योपैथी के बारे में विशेष जानकारी दी गई। डेंगू और फ्लू से बचाव की दवाएं भी दी गईं।

इस मेगा कैंप में डॉ. रचना राणा, डॉ. जयेश पटेल, डॉ. ब्लैसी मैथ्यूज, डॉ. शीतल पटेल, डॉ. जय रायनी, डॉ. परिता पटेल, डॉ. निराली चौधरी, उर्वशी परमार, माया पटेल, उत्कर्ष बलार, तृप्तिबेन परमार सहित योग शिक्षिका गीताबेन पटेल ने अपनी सेवाएँ दीं।

भगवान का रचनात्मक स्वभाव और गुरु का संयोजक स्वभाव यदि जीवन में आ जाए तो जीवन स्वर्ग जैसा हो जाता हैं :आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराजा

सूरत । श्री कैलासनगर जैन संघ के प्रांगण में पूज्यपाद आचार्य देव श्री अपराजितसूरीश्वरजी महाराज प्रवचन प्रवचन पूज्यपाद आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराजा के सान्निध्य में एक सुंदर धर्म सभा का आयोजन किया गया। पूज्यश्री ने कहा कि किसी भी धर्म की नींव ईश्वर और गुरु पर होती है। भगवान की शक्तिशाली रचनात्मक प्रकृति है और गुरु की शक्तिशाली संयोजक प्रकृति है। ईश्वर आपमें गुणों का विकास करता है। ऐसी गुणवत्ता हमारे जीवन में लाने जैसी है। यदि दूसरों में शक्ति विकसित करने की शक्ति हमारे अंदर आ जाए तो सैकड़ों लोग आपसे लाभान्वित होंगे।

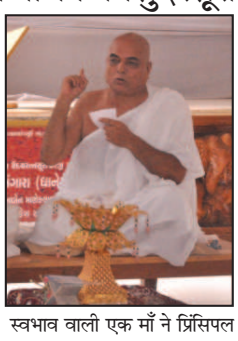

जब एक बच्चे को स्कूल से निकाल दिया गया, तो रचनात्मक स्वभाव वाली एक माँ ने प्रिंसिपल से कहा, 'आपके पास मेरे बच्चे की शक्ति को बाहर लाने का कौशल नहीं है।' याद रखना- जिस दिन मेरा बेटा पूरी दुनिया में मशहूर हो जाएगा, पूरी दुनिया को उसकी ताकत का सबूत मिल जाएगा, आप देखते रह जाएंगे और माँ ने बेटे के सिर पर हाथ फेरा और कहा- बेटा! आपके पास महान शक्ति है! अब आपको काम पर लगना है और माँ की उत्साहवर्धक प्रेरणा और बेटे के सफल उदाहरण से बेटे ने लाइट बल्ब का आविष्कार किया और दुनिया भर में थॉमस एडिसन के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

अत: प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वर का रचनात्मक स्वभाव और गुरु का संयोजक स्वभाव भी होना चाहिए! यह स्वभाव हर व्यक्ति में साझा होता है। जैसे गुरु देवधर्म से जोड़ता है, वैसे ही प्रकृति से भी जोड़ना चाहिए। जिससे बेटा-बहू-पत्नी आदि हमेशा परिवार से जुड़े रहेंगे। और जिस परिवार में कनेक्टिविटी अधिक होती है, वह व्यक्ति कभी भी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हटता आइए हम भगवान-गुरु से प्रार्थना करें कि भगवान और गुरु के ये दो स्वरूप हमारे अंदर आएं।

हम आप तक पहुंच नहि पाये तो आप कहीं ओर चले गये थे,आवाज देने आया हुं:लौट आवो!

वलसाड। आदिवासी क्षेत्र खंडा-धरमपुर में चैत्र नवरात्र के आरंभ पर,सनातनि नए साल का पहला दिन,मॉ बावली और सभी माताजी को याद करते हुए,2019 में जो जूजवा वलसाड में 1251 युगलों के समूह लग्नमहोत्सव पर कन्यादान के रूप में बापू ने कहा था कि आदिवासी क्षेत्र की एक कथा दे रहा हूं।मैं आपके बीच आऊंगा,आपके साथ रहूंगा और आपने बनाया हुआ रोटी ग्रहण करूंगा।जैसे रवींद्रनाथ टागोर ने कहा है कि आपके चरण कहां विराजते हैं?जहां कुदरत के साथ खेले हुए और रंक की झोपड़ी होती है ताज बिना,साज बिना जो खेलते हैं वहां आप विराजमान होते हैं।।

निमित्त मात्र मनोरथी जगूभाई,विणाबहन,महेश भाई किन्नरी बहन परिवार और दीप प्रागट्य पर जी.पी. स्वामी,सरपंच जयसिंह भाई यहां के विधानसभा के सदस्य अरविंदभाई और साथ कोकिला मॉ, निरंजना बहन उपस्थित रहे।श्रीमद राजचंद्र आश्रम के राकेश भाई के प्रतिनिधि के रूप में भी व्यासपीठ वंदना हुई।।मनोरथी महेश भाई और रामभाई ने अपना दिव्या भाव और आवकर भाव प्रस्तुत किया।।

संबत सोरह सै एकतिसा।
करउ कथा हरिपद धरि सीसा।।
नौमि भोम बार मधुमासा।
अवधपुरी यह चरित प्रकासा।।

यह बीज पंक्ति के साथ खंडादेव,मॉ मावली की कृपा से यह विस्तार में कथा का आरंभ हुआ।। गत दिनों में,बापू ने कहा एक विचार सुभाष भट्ट ने सामने रखा था कि हमने कितने अपराध किए हैं। सभी अपराधों की क्षमायात्रा निकालनी चाहिए।। ये विचार प्रीतिकर है इसलिए क्षमायात्रा का यह दूसरा कदम रखने जा रहा हूं।पहला कदम मॉ रवेची के आंगन में रखा था।।हमने जाने अनजाने में कितनी गैरसमझ कि है।।मुझे ऐसे सात कदम रखने हैं।।

नरसिंह मेहता कहते हैं- हम अपराधी कुछ नहीं समझ पाए,हम आपको पहचान नहीं पाए।। मॉ मावली के आंगन में एक कदम रखना है।।

काल अपना काम करता है। प्रत्येक काल के अपने विचार होते हैं। काल हम पर अपना प्रभाव डालता है।।ऐआदिवासी विस्तार में मुझे कहा गया आप कथा करो।।मैंने बहुत सी कथा की है। जैसे शबरी धाम और अनेक विस्तार में की गई कथा की बापू ने याद दिलाई।। लेकिन मनोरथ यह भी है कि साल में एक बार में ऐसे विस्तार में कथा कहने के लिए आउं।। केवल कथा कहने नहीं आया, लेकिन आपको हम समझ नहीं पाए वह क्षमा याचना करने के लिए आया हूं।।आपको मिलने के लिए, देखने के लिए आया।यह आदिवासी विस्तार आदितीर्थ विस्तार हो रहा है।।बारडोली आश्रम,स्वराज आश्रम,वेड़छी में कितनी ही स्वराज संस्थाएं प्रसिद्ध से दूर रहकर सेवा कर रही है।।यहां पहुंचे हुए साधक सांइ मकरंद भी याद आ रहे हैं।।धर्मगुरु राकेश बाबा,भागवत कथाकार शरद दादा और गांधी विचार,विनोबा विचार,जूगतराम रावल विचार, यह सब तीरथ का रूप बन रहे हैं।। यह तीर्थ की यात्रा में आया हूं और स्नान करके प्रायश्चित करना है देव-स्थान श्रद्धा के धाम है,आप जीते जिंदा देव भी हमारे लिए श्रद्धा के धाम है।।

सैमसंग ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' का तीसरा सीजन लॉन्च किया

नई दिल्ली। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड, ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के तीसरे संस्करण की घोषणा कर दी है।इसका आयोजन फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), आईआईटी दिल्ली, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के साथ सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच अभिनव चिंतन एवं समस्या हल करने की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' का उद्घाटन सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ श्री जेबी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ निदेशक और वैज्ञानिक 'जी' डॉ. संदीप चटर्जी और भारत में यूनाइटेड नेशंस के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर श्री शोम्बी शार्प ने किया। इस मौके पर अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

यह सीएसआर कार्यक्रम अभिनव समाधानों की शक्ति और जीवन बदलने में उनकी योग्यता को पहचान देता है। इसका मजबूत सामाजिक प्रभाव होता है और सैमसंग का #TogetherforTomorrow #EnablingPeople का नजरिया मजबूत होता है।

इस साल 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रोग्राम ने दो अनूठे ट्रैक पेश किये हैं- स्कूल ट्रैक और यूथ ट्रैक। हर ट्रैक एक विशेष थीम का समर्थन करता है और अलग-अलग आयु समूहों पर लक्षित है। दोनों ट्रैक साथ-साथ चलेंगे, ताकि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर और स्थितियाँ मिलें। स्कूल ट्रैक 14 से 17 साल तक के विद्यार्थियों के लिये है और इसका थीम है ''कम्युनिटी एण्ड इंक्लूजन''। यह ट्रैक कम सुविधा-प्राप्त समूहों के उत्थान के महत्व पर जोर देता है। यह सामाजिक नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य की सुलभता बढ़ाने और सभी के सामाजिक समावेश के लिये है और इस प्रकार 'सॉल्विंग फॉर इंडिया' है।

दूसरी ओर, यूथ ट्रैक 18 से 22 साल तक के लोगों के लिये है। इसका थीम है ''एनवायरनमेंट एण्ड सस्टेनेबिलिटी''। यह ट्रैक कार्बन फुटप्रिंट कम करने, पर्यावरण को बचाने और स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिये अभिनव आइडियाज की मांग करता है और इस प्रकार यह 'सॉल्विंग फॉर द वर्ल्ड' है।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ श्री जेबी पार्क ने कहा, 'सैमसंग में हम नए-नए आइडियाज़ और बदलाव लाने वाली टेक्नोलॉजीज के माध्यम से भविष्य को प्रेरित करने और आकार देने की कोशिश में रहते हैं। हमारा मिशन नवाचार करने वालों और सामाजिक बदलाव लाने वालों की अगली पीढ़ी को बढ़ावा देने के इर्द-गिर्द है। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' वाकई भारत के युवाओं के लिये एक प्लेटफॉर्म का आकार ले रहा है, ताकि वे सार्थक नवाचार करें और लोगों का जीवन बेहतर बनाएं।

पहले दो संस्करणों में हमने सीएसआर की इस पहल का अपनी अगली पीढ़ी पर सकारात्मक प्रभाव देखा है। उन्होंने नई ऊँचाइयों को छुआ है और सामाजिक उद्यमिता की यात्रा शुरू की है। तीसरे संस्करण में दो अलग-अलग ट्रैक की पेशकश करते हुए, हम भारत और दुनिया के लिये साथ-साथ काम करना चाहते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण है कि प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम के माध्यम से हम देश में नवाचार के परितंत्र को मजबूती देने में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं।''

अनिल कपूर और सोनम कपूर ने #HomeTeam में साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और एरियल के सवाल: 'क्या आपकी होमटीम आपकी ड्रीम टीम जितनी मजबूत है? को पुन: दोहराया

पिछले नौ सालों से, एरियल इंडिया ने घरेलू कामों के असमान वितरण के बारे में चर्चाओं को तेज़ किया है और ज्यादा-से-ज्यादा पुरुषों को #ShareTheLoad के लिए प्रेरित किया है। जैसे-जैसे समाज आगे बढ़ रहा है, पुरुषों ने अपने साथियों का समान रूप से समर्थन करने के महत्व को तेजी से पहचाना है। चूँकि हमने यह यात्रा 2015 में शुरू की थी, तब से उन पुरुषों का प्रतिशत जो यह मानते थे कि घर के काम, जैसे कपड़े धोना, केवल महिलाओं का काम है, 79% से घटकर 25%* हो गया है। एरियल इस चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए आगे बढ़ रहा है, ताकि पुरुषों को केवल घरेलू कामों के भौतिक पहलू को ही स्वीकार करने के बजाय, घर में एक समूह के रूप में काम करने और मानसिक बोझ को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। यह सामूहिक प्रयास पुरुषों को उनके साथियों के विश्वास प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि वह विश्व में आत्मविश्वासपूर्वक कदम रख सकती है। इस वर्ष, एरियल ने एक प्रासंगिक प्रश्न उठाया - आपकी होमटीम कितनी मजबूत है? पुरुषों को #ShareTheLoad के लिए प्रेरित करके, एरियल का उद्देश्य पतियों और पत्नियों के बीच समान स्वामित्व और घरेलू कामों को मिलकर करने की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे घर चलाने के शारीरिक और मानसिक दोनों पहलुओं को समर्थ रूप से एकीकृत किया जा सके।

पुरुषों द्वारा अधिकाधिक कार्य लेने के बावजूद, कई महिलाओं के लिए घरेलू जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है और ऐसे घरों को घरेलू सहायता की जरुरत हैं। एरियल द्वारा किये गए एक अध्ययन से पता चला है कि प्रत्येक चार में से तीन महिलाओं (75%*) को इन जिम्मेदारियों से मानसिक रूप से अलग होना मुश्किल लगता है, जो उनके स्वास्थ्य, रिश्ते और करियर की प्रगति को प्रभावित करता है। जैसे-जैसे अधिक महिलाएं कामगार तंत्र में प्रवेश कर रही हैं और एकल परिवार प्रचलित हो रहे हैं, तो भार साझा करने की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है।

ग्रीन हाई-टेक वेंचर्स लिमिटेड का आईपीओ 12 अप्रैल 2024 को खुलेगा

मुंबई। कंपनी विभिन्न पेट्रोलियम आधारित उत्पादों के व्यापार में सक्रिय है। यह सरकारी स्वामित्व वाली भट्टियों में इथेनॉल उत्पादन के लिए संचालन और रखरखाव भी करता है। कंपनी ने 12 अप्रैल, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य रू50 की कीमत और रू10 के अंकित मूल्य पर 1260000 इक्विटी शेयरों के माध्यम से रू 6.30 करोड़ जुटाने का है। बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों को निधि देने के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 12 अप्रैल, 2024 को खुलेगा और 16 अप्रैल, 2024 को बंद होगा। इश्यू का लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है। स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।

ग्रीन हाई-टेक वेंचर्स लिमिटेड (जीवीएल) विभिन्न श्रेणियों के उद्योगों को उनकी आवश्यकता के आधार पर विभिन्न पेट्रोलियम-आधारित उत्पादों का व्यापार करने में लगी हुई है। इनमें जैव ईंधन, बिटुमेन, प्रकाश घनत्व तेल, भट्टी तेल आदि शामिल हैं। कंपनी सरकारी स्वामित्व वाली भट्टियों में इथेनॉल उत्पादन के लिए जॉब वर्कर के रूप में संचालन और रखरखाव में भी लगी हुई है। वह बाजार की जरूरतों को समझते हैं और बढ़ती प्रौद्योगिकी और बाजार के रुझान के साथ अपनी टीम को लगातार उन्नत करते रहते हैं।

कंपनी पूरे भारत में ईंधन और अन्य वैकल्पिक सामग्री ग्राहकों को व्यावसायिक समाधान और सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी इथेनॉल उत्पादन के लिए जॉब वर्कर के रूप में सरकारी स्वामित्व वाली भट्टियों के संचालन और रखरखाव में लगी हुई है। कंपनी की अपनी कोई विनिर्माण इकाई नहीं है। वह इथेनॉल उत्पादन के लिए एक जॉब वर्कर के रूप में संचालन और रखरखाव के लिए सरकारी स्वामित्व वाली डिस्टिलरी की निविदा के लिए बोली लगाता है।

स्वास्थ्य को अपनाएं:अपने स्वास्थ्य के लिए बादाम की अच्छाइयों को जाने

सुरत भुमि, सूरत।

जब यह कहा जाता है "हेल्थ इज़ वेल्थ" तो इससे सेहत के महत्व को प्राथमिकता देने का पता चलता है। दरअसल, यह हमारी सेहत और जीवन की गुणवत्ता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी है क्योंकि पोषक तत्वों की अहम भूमिका होती है। इससे यह पता चलता है कि आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियां, बादाम और मौसमी फलों को शामिल करना कितना जरूरी है। पौष्टिक बादाम को अपने आहार में शामिल करने से सेहत को काफी लाभ मिलते हैं, जैसे ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है, दिल की सेहत बनी रहती है और वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है।

अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए बादाम कई सारे आवश्यक पौष्टिक तत्वों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है। विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 पोषक तत्वों से भरपूर बादाम संपूर्ण सेहत के लिए एक जरूरी सपोर्ट सिस्टम के रूप में काम करता है। बादाम में मौजूद मैग्नीशियम, प्रोटीन और विटामिन बी2 और ई, ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है, वहीं कॉपर, जिंक, फोलेट और आयरन इम्युनिटी को बेहतर बनाता है। इसके साथ ही, बादाम में संतुष्टि का एहसास कराने वाले गुणों के कारण ऊर्जा के ये भंडार और पोषक तत्व, वजन को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही ब्लड शुगर के स्तर पर कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं,"एंटरटेनमेन्ट की इस तेज रफ्तार दुनिया में, काम की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक्टिव और उत्साही रहने की जरूरत होती है। नियमित एक्सरसाइज और संतुलित आहार और बादाम को अपने रूटीन में शामिल करने से जरूरी पोषण मिलता है और एनर्जी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरे और मेरे परिवार के लिए बादाम तो किसी भी समय खाने वाला स्नैक है, जिससे विविधता और जरूरी पोषण मिलता है। नियमित रूप से मुट्ठीभर बादाम खाने से एनर्जी का स्तर और एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही रोजमर्रा के काम करने में भी मदद मिलती है। आइए, इस वर्ल्ड हेल्थ डे पर अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए साफ खानपान, बादाम जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ को शामिल करने और नियमित रूप से एक्सरसाइज करने का संकल्प लें।''

शीला कृष्णास्वामी, मशहूर न्यूट्रिशन एवं वेलनेस कंसल्टेंट का कहना है, "बादाम पोषण का एक शानदार भंडार है, जिससे सेहत को कई सारे लाभ मिलते हैं। यह हमारी सेहत को बेहतर बनाता है। 15 आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त बादाम कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर के हेल्दी स्तर को बनाए रखता है। इसके साथ ही कई सारे स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बादाम को शामिल करने से, हम बेहतर स्वास्थ्य की तरफ सक्रियता से कदम बढ़ाते हैं। साथ ही वर्ल्ड हेल्थ डे की थीम 'माय हेल्थ, माय राइट' के साथ कदमताल करते हुए एक हेल्दी लाइफस्टाइल के अपने अधिकार की बात को दोहराते हैं।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)